mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-160 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
11 जून 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

यूपी-बिहार में आंधी के साथ बारिश, 100 जगह पेड़-पोल उखड़े

● मुंबई में लैंडस्लाइड, 5 कारें मलबे में दबी ● राजस्थान में रेतीला तूफान आया

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना, एजेंसी। मानसून ने केरलम में दस्तक देने के 6 दिन में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों को कवर कर लिया है। मंगलवार को यह मिजोरम, मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल पहुंचा। अब तक 16 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है।

गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून का असर है। बिहार में मंगलवार को 10 जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। बेगूसराह में एक ऑटो पर पोल गिर गया।

उत्तर प्रदेश के इटावा में तेज तूफान के साथ बारिश हुई। 100किमी.की रफ्तार से आंधी भी चली। इस दौरान 100 से ज्यादा जगहों पर पेड़-पोल गिर गए। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड होने से 5 कारें मलबे में दब गईं। पवने MIDC इलाके में पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा ढहा था। इधर, राजस्थान के अलवर में रेत का बवंडर उठा। मध्य प्रदेश के 26 शहरों में अधिकतम तापमान 40डिग्री से ज्यादा रहा।

दिल्ली में पालम में 111किमी. की रफ्तार से आंधी चली।

7 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट... मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर भारत में 11 जून तक तापमान 2 से 4डिग्री तक बढ़ सकता है। इसके बाद तापमान में 3 से 5डिग्री की गिरावट आने की संभावना है। फिलहाल दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में हीटवेव की स्थिति बनी हुई है।

मोदी का 4399 दिन का कार्यकाल, नेहरू का रिकॉर्ड टूटा

» भाजपा सांसदों ने पीएम के लिए हवन किया

नई दिल्ली,एजेंसी। नरेंद्र मोदी ने 10 जून को सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मोदी ने 26 मई 2014 को पीएम पद की शपथ ली थी। आज उनके कार्यकाल के 4399 दिन पूरे हो गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू के पास था। वे 4398 दिनों तक इस पद रहे। मोदी का पीएम के तौर पर यह लगातार तीसरा कार्यकाल है।

दरअसल, 15 अगस्त 1947 को देश के आजाद होने के बाद जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। वे 15 अगस्त 1947 से 13 मई 1952 तक कुल 1732 दिन पीएम रहे। इसके बाद 1952 में देश में पहला आम चुनाव हुआ। कांग्रेस सत्ता में आई। संसदीय दल ने नेहरू को अपना नेता चुना। इसके बाद नेहरू 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक लगातार निर्वाचित पीएम रहे।

कांग्रेस बोली- यह खुद घोषित, संदिग्ध उपलब्धि

मोदी को मिले 31 देश के सर्वोच्च सम्मान... प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी को अब तक 31 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुका है। सबसे पहले 3 अप्रैल 2016 को सऊदी अरब ने 'ऑर्डर ऑफ किंग अब्दुलअजीज' सम्मान से नवाजा था। इसी साल मई में नॉर्वे के दौरे के दौरान मोदी को वहां के राजा ने हेराल्ड पंचम ने 'ग्रांड क्रॉस ऑफ रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट' से सम्मानित किया था। इसके अलावा साल 2016 में संयुक्त राष्ट्र से यूएन चैंपियन ऑफ द अर्थ अवॉर्ड भी मिल चुका है। मोदी ने अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, समेत दुनिया के 15 देशों की संसद को संबोधित किया है।

नीट-यूजी: कई स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था, पेपर बनाने से पहुंचाने तक कड़ी निगरानी

» सभी राज्यों से मांगा सहयोग

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि 21 जून को दोबारा नीट यूजी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निगरानी में होगी। छात्रों को भरोसा दिलाते हैं कि इस बार परीक्षा त्रुटिरहित, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से आयोजित की जाएगी और समय पर रिजल्ट भी जारी होगा। पीएम खुद परीक्षा के हर पल की जानकारी ले रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) मुख्यालय में परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की।

एनटीए की समीक्षा बैठक के बाद प्रधान ने कहा, कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक हो चुकी है और राज्यों के साथ भी लगातार समन्वय किया जा रहा है। इसलिए छात्रों से आग्रह है कि वे सोशल मीडिया या अफवाहों पर ध्यान न दें और अपनी पढ़ाई पर फोकस करें। शिक्षा मंत्री ने कहा, परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सरकार की तैयारियां जोरों पर है। कई स्तरों पर समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही हैं। प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उसे परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। परीक्षा में कई तरह की चुनौतियां होती हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात भी है।

36 हजार भारतीय सिम कंबोडिया में एक्टिव

साइबर धोखाधड़ी के लिए इन्हीं में से 5,300 कार्ड का इस्तेमाल किया गया

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कंबोडिया से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्थान और पंजाब में बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। जांच में खुलासा हुआ है कि हजारों भारतीय सिम कार्ड फर्जी तरीके से एक्टिव कर विदेशी नेटवर्क तक पहुंचाए जा रहे थे, जिनका इस्तेमाल भारत में बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी के लिए किया जा रहा था। जांच के दौरान एजेंसी ने करीब 2.3 लाख संदिग्ध मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया। इसमें सामने आया कि लगभग 36 हजार भारतीय सिम कार्ड कंबोडिया में सक्रिय थे।

5300 सिम भारत में साइबर फ्रॉड में इस्तेमाल: इनमें से करीब 5300 सिम कार्ड सीधे तौर पर भारत में साइबर फ्रॉड के मामलों में इस्तेमाल किए गए। जांच एजेंसियों के अनुसार इन नंबरों के जरिए देशभर में सैकड़ों करोड़ रुपए की ठगी को अंजाम दिया गया। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जोधपुर साइबर पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की। 5 जून को शुरू हुई इस कार्रवाई के तहत राजस्थान के किशनगढ़, नागौर और जोधपुर के साथ पंजाब के लुधियाना में कुल सात स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।

: ब्रीफ बॉक्स :

जॉइंट डायरेक्टर के पास आलीशान जिम, सुपर मार्केट

महिला बाल विकास अधिकारी की 30 साल में इनकम 2.5 करोड़, संपत्ति 9.5 करोड़ मिली

इंदौर,एजेंसी। शुरुआती जांच में अधिकारी की वैध आय की तुलना में 241 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिलने के प्रमाण सामने आए हैं। लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय को कंडवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। प्राथमिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया।

इसके बाद स्पेशल कोर्ट से तलाशी वारंट लेकर लोकायुक्त की अलग-अलग टीमों ने सुबह 6 बजे से एक साथ तीन ठिकानों पर धावा बोल दिया। कार्रवाई इतनी गोपनीय रखी गई थी कि संयुक्त संचालक कंडवाल और उनके परिवार को इसकी भनक तक नहीं लगी।

पेट्रोल-सिलिंडर के बाद अब फ्लाइट टिकट के भी बढ़ेंगे दाम

जेट फ्यूल हुआ महंगा

नई दिल्ली,एजेंसी। सरकार की नई प्राइस स्टेबलाइजेशन स्कीम के तहत, घरेलू एयरलाइंस अब तीन साल तक के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की कीमतें तय कर सकती हैं। साथ ही सरकारी फ्यूल रिटेलर्स ने जेट फ्यूल की कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। नई व्यवस्था के तहत, जो एयरलाइंस इस स्वैच्छिक योजना को चुनेंगी उन्हें एटीएफ के लिए 115 रुपये प्रति लीटर की तय कीमत चुकानी होगी। पहले ये कीमत 104.927 रुपये प्रति लीटर थी।

इस फ्रेमवर्क से बाहर रहने पर क्या होगा? जो एयरलाइंस इस फ्रेमवर्क से बाहर रहने का फैसला करती हैं, वे मार्केट से जुड़े रेट पर ही फ्यूल खरीदती रहेंगी। ये रेट अभी लगभग 142 रुपये प्रति लीटर हैं, जो इंटरनेशनल एयरलाइंस द्वारा चुकाई जाने वाली कीमतों के बराबर हैं।सूत्रों के मुताबिक, यह स्कीम पूरी तरह से ऑप्शनल है और एयरलाइंस खुद तय करेंगी कि वे इसमें शामिल होना चाहती हैं या नहीं।

चंडीगढ़ से दिल्ली जा रही फ्लाइट में हंगामा

लैंडिंग के समय यात्री पैनिक हुआ, मुक्के मारकर शीशा तोड़ा; क्रू मेंबर्स के साथ बदसलूकी

चंडीगढ़,एजेंसी। चंडीगढ़ से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट (AI-1879) में बीते रविवार को एक पैसेंजर ने बीच हवा में हंगामा शुरू कर दिया। यात्री ने फ्लाइट की विंडो का शीशा भी तोड़ दिया। उसने फ्लाइट क्रू के साथ बदतमीजी की।

हालांकि, क्रू मेंबर्स ने पैसेंजर को संभाला और फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड कराया। इसके बाद यात्री को सुरक्षा एजेंसियों के हवाले कर दिया गया। यात्री ने दिल्ली एयरपोर्ट पर भी भागने की कोशिश की, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। यात्री के परिजन का कहना है कि वह दिमागी रूप से बीमार है। इसके बाद जब उसका मेडिकल करवाया गया तो परिजन की बात सही निकली।

राममंदिर के चढ़ावे में चोरी के दावे पर पीएमओ सख्त

» ट्रस्ट से रिपोर्ट मांगी; भाजपा नेता ने लेटर लिखकर सीबीआई जांच की मांग की थी

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर में आए चढ़ावे में 7 करोड़ रुपए की चोरी के दावे पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को मंदिर ट्रस्ट से रिपोर्ट मांगी है। यह जानकारी सूत्रों से पता चली है। भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर सीबीआई से जांच कराने की मांग की थी।

इधर, राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंगलवार को ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक की थी। राम मंदिर परिसर के एक बंद कमरे में करीब 4 घंटे तक बैठक चली। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में चढ़ावे की राशि, उसके उपयोग और लेखा-जोखा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को फिर से राम मंदिर में कथित चोरी का मुद्दा उठाया। अखिलेश ने सरकार से 11 सवाल पूछे। उन्होंने कहा- आखिर देश की सनातन आस्था से खिलवाड़ करने वालों के पीछे कौन लोग हैं? चढ़ावे में कथित चोरी करने वालों को कौन बचा रहा है?

दरअसल, सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार, 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई है। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामले का संज्ञान लेना चाहिए। इस पर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने इस पर सफाई दी थी। उन्होंने कहा था कि ट्रस्ट का समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता है। इसमें ट्रस्ट और एसबीआई बैंक के प्रतिनिधि शामिल रहते हैं। आजकल वही काम रहा है। अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है।

रूस में 20 गुजराती फंसे, बोले- पासपोर्ट जब्त, रहने-खाने की परेशानी

एजेंट ने डेढ़ लाख की नौकरी का झांसा देकर भेजा, सैलरी 10 हजार मिली

अहमदाबाद,एजेंसी। गुजरात के आनंद और वडोदरा के 20 युवक-युवतियां रूस में फंस गए हैं। उनका आरोप है कि उन्हें 1 से 1.5 लाख रुपए महीने की नौकरी का लालच देकर रूस भेजा गया, लेकिन अब बहुत कम वेतन मिल रहा है। साथ ही रहने-खाने को मोहताज हो गए हैं। गुजरात पुलिस के मुताबिक, पेटलाद निवासी रिम्पल कुमार पटेल ने फिश पैकिंग और टेलरिंग की नौकरी दिलाने के नाम पर 33 लोगों को रूस भेजा। इसके बदले उनसे 2.10 लाख से 3 लाख रुपए तक लिए गए। कुल वसूली करीब 78 लाख रुपए बताई जा रही है।

इससे पहले नवंबर 2025 में रूस भेजे गए 13 लोग कम सैलरी और खराब हालात के कारण भारत लौट आए थे। वहीं इसी साल अप्रैल में 20 अन्य लोगों को भेजा गया, जो अभी भी रूस में हैं।

मामले की जांच आनंद एलसीबी कर रही है। आरोपी रिम्पल पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस रूस में फंसे लोगों से लगातार संपर्क में है और उन्हें सुरक्षित भारत वापस लाने की कोशिश कर रही है।

ममता की करीबी सुष्मिता देव का राज्यसभा से इस्तीफा

भाजपा में जा सकती हैं; 3 दिन में टीएमसी के दो सांसदों ने पार्टी छोड़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। ममता बनर्जी की करीबी रहीं सुष्मिता देव ने बुधवार को राज्यसभा सांसद से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही टीएमसी पार्टी भी छोड़ दी है। इस्तीफा देने के बाद सुष्मिता की असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा के साथ मुलाकात की एक तस्वीर भी सामने आई। सूत्रों के मुताबिक, सुष्मिता भाजपा में शामिल हो सकती हैं। पिछले 3 दिनों में टीएमसी के दो राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ चुके हैं। इससे पहले 8 जून को सुखेंदु शेखर ने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया था, पार्टी भी छोड़ दी थी। त्यागपत्र में उन्होंने ममता के 15 साल के अराजक शासन को पार्टी की हार का नतीजा बताया था।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की

11 बच्चों समेत 13 की मौत, 14 महिलाएं घायल; तालिबान ने एयरस्पेस उल्लंघन का आरोप लगाया

काबुल/इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान ने मंगलवार रात अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की। तालिबान के मुताबिक, इन हमलों में 13 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में 11 बच्चे, एक महिला और एक बुजुर्ग शामिल हैं। 14 महिलाएं घायल हुई हैं।

तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के एयरस्पेस का उल्लंघन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना ने कुनार, खोस्त और पक्तिका प्रांतों में आम घरों को निशाना बनाकर बमबारी की। मुजाहिद ने घायलों की फोटोज भी शेयर कीं। हालांकि पाकिस्तान ने अभी तक इस कार्रवाई के बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी है।

यह घटना ऐसे समय हुई है जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के बीच रिश्ते लगातार खराब होते जा रहे हैं। पिछले कई महीनों से दोनों देशों के बीच सीमा पर गोलीबारी हो रही है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 9 जून को एक बॉर्डर चौकी पर हुए हमले में पाकिस्तान के छह सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक हमले के दौरान आठ आतंकवादी भी मारे गए। अधिकारियों ने दावा किया कि हमलावरों ने सीमा चौकी पर कब्जा करने की कोशिश की थी।

पाकिस्तान लंबे समय से कहता रहा है कि उसकी सैन्य कार्रवाई आतंकवादी संगठनों के खिलाफ है, खासकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के खिलाफ। पाकिस्तान का आरोप है कि (TTP) के लड़ाके अफगानिस्तान की जमीन से काम करते हैं और पाकिस्तान में हमले करते हैं। वहीं काबुल में तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती है। उसका कहना है कि वह किसी भी ऐसे समूह को पनाह नहीं दे रही है। इसके उलट तालिबान पाकिस्तान पर अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन करने का आरोप लगाता है।

तालिबान का दावा- मार्च में पाक के हमले से 400 लोगों की जान गई: तालिबान सरकार के अनुसार पिछले एक साल में पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाइयों में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है।

अमेरिका ने ईरान पर हवाई हमले किए

हेलिकॉप्टर गिराने के बदले में अटैक

» जवाब में ईरान का बहरीन में अमेरिकी बेस पर हमला

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बुधवार को भी संघर्ष जारी है। अमेरिकी सेना ने कहा कि वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, कंट्रोल स्टेशन और निगरानी रडार ठिकानों को निशाना बनाया।

इसके जवाब में ईरान ने बहरीन में मौजूद अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े पर ड्रोन हमले किए हैं। बहरीन सरकार ने भी चेतावनी सायरन बजने की पुष्टि की। ईरान ने यह भी कहा कि उसने जॉर्डन समेत क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर 21 हमले किए हैं, लेकिन अमेरिका ने इस दावे को खारिज कर दिया। इससे पहले सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी सेना का अपाचे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था। एक दिन बाद ट्रम्प ने इसका आरोप ईरान पर लगाया था। हालांकि ईरान ने अमेरिकी हेलिकॉप्टर गिराने की जिम्मेदारी नहीं ली है।

जीबीयू तैयार करेगा स्पेशल चाइल्ड काउंसलर

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। मानसिक तनाव व अवसाद की समस्या केवल बड़ों की नहीं है, बल्कि बच्चों में तेजी से बढ़ रही है। बच्चों में पढ़ाई-करियर के बढ़ते दबाव, एकांकी जीवन के अलावा मोबाइल की लत भी उनको अवसाद की ओर ले जा रही है। बड़ों के मुकाबले बच्चों में अवसाद और मानसिक तनाव के अलग-अलग लक्षण होने के साथ ही उनको विशेष तौर पर समझने वालों की भी कमी है। इस समस्या को हल करने के लिए गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) ने प्रदेश का पहला एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग कोर्स शुरू किया है।

पहले ही राउंड में 100 आवेदन आए: जीबीयू में कोर्स के माध्यम से बच्चों की काउंसलिंग करने वाले विशेष मनोविज्ञानी व मनोचिकित्सक विशेषज्ञ तैयार किए जाएंगे। यह एक वर्ष का डिप्लोमा प्रोग्राम है। यह कोर्स भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त है। कोर्स के लिए विश्वविद्यालय में 25 सीटें घोषित की गई हैं। युवाओं में बच्चों के मानसिक काउंसलर बनने के लिए होड़ देखने को मिल रही है। घोषित की गई सीटों के मुकाबले पहले ही राउंड में लगभग 100 आवेदन आ चुके हैं। मनोविज्ञानी व मनोचिकित्सक विभागाध्यक्ष डा. आनंद प्रताप सिंह ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में बच्चों में मानसिक स्थिति खराब होने व अवसाद में जाने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। एंग्जायटी, डिप्रेशन और सेल्फ-हार्म के मामले स्कूलों में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी को देखते हुए जीबीयू में कोर्स की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि प्रति महीने 90 से 120 मामले बच्चों के उनके पास आते हैं।

इनमें से अधिकतर मामले शहर के स्कूलों से रेफर किए गए बच्चों के होते हैं। काउंसलिंग के लिए आने वाले बच्चों की संख्या में पिछले पांच वर्षों में दो से तीन गुना की बढ़ोतरी हुई है।

किताबी ज्ञान के साथ जमीन पर काम करना भी जाएगा सिखाया: डिप्लोमा कोर्स में छात्रों को चाइल्ड साइकोलाजी, बिहेवियरल डिसआर्डर, लर्निंग डिसेबिलिटी, आटिज्म, एंग्जायटी मैनेजमेंट और क्राइसिस इंटरवेंशन जैसे विषय पढ़ाए जाएंगे। सबसे अहम है कि विद्यार्थियों को सप्ताह में दो दिन फील्ड पर ट्रेनिंग के लिए भेजा जाएगा। इस दौरान वह सरकारी स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, जिला अस्पताल के साइकेट्री वार्ड और एनजीओ जाएंगे। वहां रियल केस हैंडल करेंगे। कोर्स का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ ही व्यावहारिक शिक्षा देना है।

मिलेगा लाइसेंस, खोल सकेंगे क्लीनिक

कोर्स पूरा करने के बाद छात्रों को भारतीय पुनर्वास परिषद की तरफ से लाइसेंस मिलेगा। इसके बाद वे रजिस्टर्ड काउंसलर के तौर पर काम कर सकेंगे। स्कूलों में काउंसलर, हास्पिटल में चाइल्ड साइकोलाजिस्ट के साथ असिस्टेंट, या खुद का क्लीनिक खोलकर प्रैक्टिस कर सकेंगे। वे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, व्यावहारिक विकास, पेरेंट्स गाइडेंस और करियर काउंसलिंग से जुड़ी सेवाएं दे पाएंगे। एडवांस डिप्लोमा इन चाइल्ड गाइडेंस एंड काउंसलिंग का एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स शुरू किया गया है। इसमें विद्यार्थी काफी रुचि दिखा रहे हैं। घोषित की गई सीटों के मुकाबले दो गुना से अधिक आवेदन पहले राउंड में आ चुके हैं।

पेपर लीक-महंगाई के विरोध में सपाइयों का प्रदर्शन, नोकझोंक

अलीगढ़ , एजेंसी। ऊबढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, नीट परीक्षा में अनियमितताओं और प्रदेश में बढ़ते अपराधों के विरोध में मंगलवार को समाजवादी पार्टी छात्रसभा के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी पुलिस से नोकझोंक भी हुई। कार्यकर्ताओं ने प्रशासन पर दबाव बनाने और कार्यक्रम रोकने का आरोप लगाया।

साथ ही कलेक्ट्रेट की दीवार पर ज्ञापन चिपकाया। प्रदर्शन का नेतृत्व समाजवादी छात्र सभा के महानगर अध्यक्ष मोहसिन मेवाती और मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव इमरान पठान ने किया। मोहसिन मेवाती ने कहा कि महंगाई ने आम जनता का जीवन प्रभावित कर दिया है और सरकार को मूल समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि प्रशासन ने ज्ञापन लेने में टालमटोल की, जिसके विरोध में उन्होंने डीएम और एडीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन चस्पा कर दिया। मौके पर सैयद फैजान अली, दानिश अली, फैजान पठान, हरिश्चंद्र, सरदार, प्रभाव सिंह, शारिक, आबिद मलिक आदि मौजूद रहे।

आंधी तूफान और बारिश ने मचाई भारी तबाही, दर्जनों पेड़-होर्डिंग और खंभे गिरे; बिजली भी हो गई गुल

आगरा, एजेंसी। आगरा में मंगलवार रात 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आई आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचाई। कई जगह पेड़, होर्डिंग और बिजली के खंभे गिर गए, जिससे शहर और सैकड़ों गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जबकि एक परिवार चलती कार पर होर्डिंग गिरने से बाल-बाल बच गया। दिन में भीषण गर्मी के बाद मंगलवार रात करीब आठ बजे 65 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से आई आंधी ने शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भारी तबाही मचाई। दर्जनों दर्जनों पेड़-होर्डिंग और खंभे गिरने से सैकड़ों गांवों की बिजली गुल हो गई। शहर के कई इलाके भी अंधेरे में डूब गए। सेंट जोंस चौराहे से निकल रही कार पर भारी-भरकम होर्डिंग गिर गया। संत रामकृष्ण कन्या महाविद्यालय, बल्केश्वर के निदेशक की कार में उस समय पांच लोग सवार थे। गनीमत रही कि पांचों लोग बाल-बाल बच गए। वहीं फतेहाबाद रोड शेड गिर गए, जिसमें ऑटो और बाइक सवार उलझ कर गिर गए। संत रामकृष्ण कन्या महाविद्यालय के निदेशक रविकांत चावला ने बताया कि सेंट जोंस चौराहे स्थित हनुमान मंदिर पर उन्होंने भंडारा किया था। वह पहले ही घर से आ गए थे। उनके परिवार में मां, पत्नी, बेटी और भांजे को लेकर ड्राइवर चौराहे पर पहुंचा, तभी आंधी से भारी भरकम होर्डिंग उनकी कार पर गिर गया। हादसा देख लोग दौड़े और पांचों को कार से बाहर निकाला। ईश्वर कृपा से होर्डिंग का एक हिस्सा तारों में उलझ गया था, जिससे वह तेजी से कार पर नहीं गिरा, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। उन्होंने नगर निगम से ऐसे कमजोर और गिरासू होर्डिंग हटवाने की मांग की है। चौराहे पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस ने क्रेन मंगवाकर होर्डिंग हटवाया। वहीं रायभा-अछनेरा रोड स्थित एक निर्माणाधीन मकान की दूसरी मंजिल की दीवार भरभराकर गिर गई। यहां धर्म सिंह अपने मकान का निर्माण करा रहे थे। पांच दिन से काम बंद था।

30 सबस्टेशनों से जुड़े गांवों की बिजली ठप: आंधी के कारण शहर में शास्त्रीपुरम, ग्वालियर रोड और महताब बाग के पास बिजली के तारों पर पेड़ गिरने से आपूर्ति ठप हो गई। तीनों क्षेत्रों में शटडाउन लेकर टोरंट पावर की टीमें देर रात तक मरम्मत में जुटी रहीं। देहात में 30 सबस्टेशनों से जुड़े सैकड़ों गांवों की आपूर्ति आंधी आते ही ठप हो गई। देर रात तक मरम्मत जारी रही। लादूखेड़ा विद्युत उपकेंद्र से पोषित 25 गांवों में बिजली ठप हो गई। सीकरी के गांव दाउदपुर के माजरा उत्तू में आंधी से दो विद्युत पोल टूट कर गिर गए। बाह क्षेत्र के जैतपुर, भदरौली, जरार, अभयपुरा, बासौनी, पाठकपुरा, नौगवां आदि क्षेत्रों में आंधी के कारण बिजली गुल हो गई। ग्रामीणों ने दक्षिणांचल के अधिकारियों से नए पोल लगवाने की मांग की है।

तीन दिन राहत देगा मौसम: भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप से दिन में परेशान रहे लोगों को मंगलवार रात आई आंधी-बारिश ने राहत दी। करीब 65 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी और फिर बारिश ने गर्मी से राहत दी। मंगलवार को अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री दर्ज किया गया। ताजमहल देखने पहुंचे पांच सैलानी भीषण गर्मी की वजह से उलटी-दस्त व डिहाइड्रेशन के शिकार हो गए। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार से तीन दिनों तक आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश के आसार हैं। इससे तापमान में गिरावट आएगी और उमस व गर्मी से राहत मिलेगी।

ट्रेनों और बसों में सीट के लिए हुई धक्का-मुक्की

अलीगढ़ , एजेंसी। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन मंगलवार को भी बसों व ट्रेनों में भीड़ रही। इस दौरान ट्रेनों में सीटों को लेकर धक्का-मुक्की भी देखने को मिली। ईएमयू पैसेंजर ट्रेन, अलीगढ़- कानपुर मेमू, महाबोधि, गोमती एक्सप्रेस ट्रेन के आते ही घर लौटने के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंच गए। शाम को स्पेशल ट्रेन का संचालन किया गया। स्टेशन पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आरपीएफ व जीआरपी के जवानों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों की भीड़ को देखते हुए विशेष इंतजाम किए गए हैं। स्पेशल ट्रेन चलाने के साथ ही कुछ ट्रेनों का अलीगढ़ स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव दिया गया है। उधर, रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि अभ्यर्थियों की भीड़ को देखते हुए स्थानीय मार्गों पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया गया।

गाजियाबाद में बिजली विभाग की छापेमारी से मचा हड़कंप, लोनी-मुरादनगर में 35 बिजली चोर पकड़े गए

गाजियाबाद, एजेंसी। भीषण गर्मी के बीच जिले के लोनी, मोदीनगर और मुरादनगर क्षेत्रों में बिजली की खपत में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज होने के बाद विद्युत विभाग ने बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान शुरू कर दिया है। विजिलेंस टीम और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में लोनी और मुरादनगर क्षेत्र में 35 लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया, जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। विद्युत विभाग के अनुसार मई 2026 में मोदीनगर क्षेत्र में पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 प्रतिशत, मुरादनगर में 16.5 प्रतिशत और लोनी में 12 प्रतिशत अधिक बिजली खपत दर्ज की गई है। अधिकारियों का कहना है कि भीषण गर्मी के कारण एसी, कूलर और अन्य विद्युत उपकरणों के बढ़ते उपयोग से खपत में यह वृद्धि हुई है।

उपभोक्ताओं पर 32 किलोवाट का अवैध भार पाया गया: बढ़ती खपत के बीच बिजली चोरी की आशंका को देखते हुए विभाग ने रात्रिकालीन और सुबह के समय विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया है। अभियान के दौरान पावी लोनी में नौ लोग बिजली चोरी करते पकड़े गए, जिनके खिलाफ नौ एफआईआर दर्ज की गई। इन पर कुल 19 किलोवाट का अवैध भार पाया गया।

वहीं बलराम नगर लोनी में 15 लोगों और मुरादनगर क्षेत्र में 11 लोगों के खिलाफ भी बिजली चोरी के मामले दर्ज किए गए। मुरादनगर में पकड़े गए उपभोक्ताओं पर कुल 32 किलोवाट का अवैध भार पाया गया। इसके अलावा दो दिन पूर्व भी लोनी के विद्युत वितरण खंड-प्रथम क्षेत्र में सात एफआईआर दर्ज की गई थीं। विद्युत विभाग अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी के प्रति विभाग की जीरो टालरेंस नीति है और दोषियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। आगामी दिनों में भी विशेष चेकिंग अभियान लगातार चलाया जाएगा।

लीलावती ट्रस्ट को बांबे हाई कोर्ट से बड़ा झटका

एचडीएफसी बैंक के खिलाफ दायर याचिका खारिज, लगा 5 लाख का जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। बांबे हाई कोर्ट ने लीलावती अस्पताल चलाने वाले लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट की अंतरिम याचिका मंगलवार को खारिज कर दी।

याचिका में एचडीएफसी बैंक, उसके प्रबंध निदेशक और सीईओ शशिधर जगदीशन और अन्य लोगों को ट्रस्ट और उसके सदस्यों के खिलाफ कोई भी टिप्पणी करने से रोकने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। 'लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट' ने बैंक से 1,000 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग करते हुए मानहानि के मुकदमे में अंतरिम याचिका दायर की थी। ट्रस्ट का आरोप है कि बैंक और उसके वरिष्ठ अधिकारियों ने मीडिया एवं इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर ऐसे बयान जारी किए, जिनसे ट्रस्ट की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। जस्टिस सोमशेखर सुंदरेशन की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए यह कहा कि बयान मानहानि करने वाले नहीं थे और असल में तथ्यों के लिहाज से सही थे। अदालत ने ट्रस्ट पर पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया, जिसका भुगतान एचडीएफसी बैंक को करना होगा। पीठ ने कहा कि एचडीएफसी बैंक का यह बयान कि ट्रस्ट और उसके ट्रस्टी प्रशांत मेहता पर बैंक का पैसा बकाया है, तथ्यों के आधार पर सही था और इसलिए यह सच बोलने के दायरे में आता है। हाई कोर्ट ने कहा कि ये बयान सिर्फ इसलिए देने पड़े, क्योंकि एचडीएफसी और उसके वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ मीडिया में लगातार लेख प्रकाशित करने का अभियान चलाया जा रहा था।

काशी विद्यापीठ में 15 और 17 को होगी स्थगित परीक्षाएं

वाराणसी , एजेंसी। काशी विद्यापीठ मुख्य परिसर, गंगापुर, एनटीपीसी परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों में 9 और 10 जून को होने वाली स्थगित परीक्षा अब 15 और 17 जून को कराई जाएगी। परीक्षा नियंत्रक दीप्ति मिश्रा ने बताया कि यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए विवि की 9-10 जून को होने वाली परीक्षा को स्थगित किया गया है। उन्होंने बताया कि 9 जून की परीक्षा 15 और 10 जून की परीक्षा 17 जून को होगी। जहां दो घंटे का पेपर होगा वहां दोपहर 12 से 2 बजे तक और जहां 3 घंटे का पेपर होना है।

अगर सुरक्षित रहना चाहते हो तो हमारे क्षेत्र से निकल जाओ, अमेरिकी हमले के बाद ईरान की

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वह सुरक्षित रहना चाहता है तो उसे फारस की खाड़ी क्षेत्र छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान की सशस्त्र सेनाएं किसी भी हमले या धमकी का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि युद्ध के मैदान में असफल रहने के बाद अमेरिका ने ईरान के संकल्प को परखने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि ईरान की शक्तिशाली सेना किसी भी हमले को बिना जवाब दिए नहीं छोड़ेगी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि फारस की खाड़ी के इतिहास में बाहरी ताकतों के बुरे अंजाम के कई उदाहरण मौजूद हैं।

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ शुरू की सैन्य कार्रवाई: यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, अमेरिकी बलों ने ईरान के खिलाफ आत्मरक्षा में हमले शुरू किए हैं। सेंटकॉम का कहना है कि यह कार्रवाई उस घटना के जवाब में की गई, जिसमें ईरान ने अमेरिकी सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराने का दावा किया था। सेंटकॉम ने बताया कि राष्ट्रपति के निर्देश पर मंगलवार शाम से ये हमले शुरू किए गए। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह ईरान की अनुचित आक्रामकता के खिलाफ संतुलित और सीमित जवाबी कार्रवाई है।

होर्मुज पर अमेरिकी हेलीकॉप्टर को बनाया गया था निशाना: इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर गश्त कर रहे एक अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को निशाना बनाया। हालांकि उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टर में मौजूद दोनों पायलट सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है। इसके बावजूद ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया कि अमेरिका इस हमले का जवाब देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि उन्हें सेना से जानकारी मिली है कि ईरान ने एक अत्याधुनिक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि पायलट सुरक्षित हैं, लेकिन अमेरिका के लिए इस हमले का जवाब देना आवश्यक है। इस्राइल और ईरान के बीच भी बढ़ा तनाव गौरतलब है कि हाल के दिनों में ईरान और इस्राइल के बीच भी तनाव बढ़ा है।

ट्रंप ने माना ईरान ने मार गिराया अमेरिका का गश्ती अपाचे

बोले- सेना देगी जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को दावा किया कि ईरान ने रात के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में गश्त कर रहे अमेरिका के एक अपाचे हेलिकॉप्टर को मार गिराया है। उन्होंने इस घटना पर जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प भी जताया, हालांकि उन्होंने कोई अन्य जानकारी नहीं दी। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, 'मुझे अभी-अभी हमारी सेना ने सूचित किया है कि बीती रात ईरानियों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर गश्त कर रहे हमारे अत्याधुनिक अपाचे हेलिकॉप्टरों में से एक को मार गिराया।' उन्होंने कहा कि अब अमेरिका को जवाबी कार्रवाई करनी होगी।

हेलिकॉप्टर के दोनों पायलट सुरक्षित: ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें सेना ने जानकारी दी है कि ईरानी बलों ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग में अभियान के दौरान एक अत्याधुनिक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया। उन्होंने यह भी कहा कि घटना में शामिल दोनों पायलट सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है। ट्रंप ने लिखा, 'इसमें दो पायलट शामिल थे, दोनों सुरक्षित हैं और घायल नहीं हुए हैं। फिर भी, इस हमले का जवाब देना संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए आवश्यक है।' यह टिप्पणी ऐसे समय आई जब अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की कि मंगलवार तड़के स्थानीय समयानुसार करीब तीन बजे ओमान के तट के निकट क्षेत्रीय जलक्षेत्र में गश्त मिशन के दौरान एक एएच-64 अपाचे हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

अमेरिकी सेना ने चलाया बचाव अभियान: सेना ने दुर्घटना के कारण की जानकारी नहीं दी और कहा कि मामले की जांच की जा रही है। सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा, 'सैनिकों को लगभग दो घंटे के भीतर सुरक्षित बचा लिया गया और उनकी स्थिति स्थिर है। घटना के कारण की जांच की जा रही है।' अमेरिकी सेना के इतिहास में पहली बार यह बचाव अभियान एक मानवरहित सतही पोत की मदद से अंजाम दिया गया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नौसेना के कॉर्सेयर स्वायत्त सतही ड्रोन ने पानी में मौजूद दोनों चालक दल के सदस्यों का पता लगाया और उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें एक अन्य स्थान तक पहुंचाया गया, जहां से हेलीकॉप्टर के जरिए उन्हें ऊपर उठाया गया। सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता नौसेना कप्तान टिम हॉकिन्स ने कहा कि ड्रोन का चयन उसकी निकटता और परिचालन क्षमता को देखते हुए किया गया था।

पश्चिम एशिया में फिर भड़का तनाव, ईरान का दावा- बहरीन में अमेरिकी बेस पर किया ड्रोन हमला

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब खुली सैन्य कार्रवाई तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। ईरान ने दावा किया है कि उसने बहरीन में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट मुख्यालय पर ड्रोन हमला किया। इसके कुछ घंटों बाद अमेरिका ने भी जवाबी कार्रवाई की पुष्टि कर दी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, रडार साइट्स और ग्राउंड कंट्रोल स्टेशनों पर सटीक हमला किया है। पूरे घटनाक्रम के बाद होर्मुज क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। सेंटकॉम ने कहा कि एक दिन पहले अमेरिकी सेना का एएच-64 अपाचे हेलीकॉप्टर गिराए जाने के बाद यह हमला किया गया।

अमेरिका का दावा है कि ईरान की ओर से क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों के लिए खतरा पैदा किया जा रहा था। इसके जवाब में अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू

विमानों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिका ने इसे संतुलित और सीमित जवाब बताया है।

आखिर ईरान ने अमेरिकी बेस पर हमला क्यों किया: ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी ने कहा कि यह हमला अमेरिका की ओर से दक्षिणी ईरान में किए गए एयरस्ट्राइक के जवाब में किया गया। ईरान का आरोप है कि अमेरिकी सेना ने जास्क, सिरिक और क़ेश्म जैसे इलाकों में हमले किए, जिससे नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचा। आईआरजीसी के मुताबिक इन हमलों में टेलीकॉम टावर और पानी की टंकियां तबाह हुईं। इसके बाद ईरान ने शाहेद-136 ड्रोन के जरिए बहरीन स्थित अमेरिकी नौसैनिक मुख्यालय को निशाना बनाया।

अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट का महत्व क्या है: बहरीन में मौजूद अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट पश्चिम एशिया में अमेरिका की सबसे अहम सैन्य ताकतों में से एक मानी जाती है। यह फ्लीट अरब सागर, लाल सागर, फारस की खाड़ी और हिंद महासागर के कुछ हिस्सों में अमेरिकी नौसैनिक गतिविधियों की निगरानी करती है। साथ ही तेल सप्लाई रूट और अंतरराष्ट्रीय जहाजों की सुरक्षा भी इसी के जिम्मे होती है। ऐसे में इस ठिकाने पर हमला क्षेत्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर माना जा रहा है।

क्या होर्मुज क्षेत्र में बढ़ रहा है सैन्य खतरा: यह पूरा घटनाक्रम होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते सैन्य तनाव के बीच सामने आया है। हाल ही में अमेरिकी सेना के एक AH-64 अपाचे हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद अमेरिका ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम और रडार साइट्स पर हमला किया था।

ईरान ने अमेरिका को क्या चेतावनी दी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने साफ कहा कि ईरानी सेना किसी भी हमले का जवाब दिए बिना नहीं बैठेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर अमेरिका सुरक्षित रहना चाहता है, तो उसे इस क्षेत्र से बाहर निकलना होगा। IRGC ने भी चेतावनी दी कि अगर आगे कोई हमला हुआ, तो उसका जवाब और ज्यादा ताकत के साथ दिया जाएगा। ईरानी मीडिया के मुताबिक बहरीन के आसपास कई धमाकों की आवाजें भी सुनी गईं।

क्या इस्राइल-ईरान संघर्ष फिर बढ़ सकता है

यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब हाल ही में इस्राइल और ईरान के बीच संघर्षविराम लागू हुआ था। लेकिन अब अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव पूरे पश्चिम एशिया में नई अस्थिरता पैदा कर सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर हालात नहीं संभले, तो इसका असर वैश्विक तेल सप्लाई, व्यापारिक जहाजों और अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ सकता है। फिलहाल दुनिया की नजरें अमेरिका, ईरान और पश्चिम एशिया के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

नशा मुक्त समाज निर्माण के लिए 150 मास्टर वॉलंटियर हुए प्रशिक्षित

न्यायाधीश ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ, जनजागरूकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज को नशे के दुष्प्रभावों से मुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला पंचायत सभागार सीधी में नशा मुक्ति जनजागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सोलंकी के मार्गदर्शन में बाल्मी प्रशिक्षण केंद्र भोपाल की टीम द्वारा संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जनजागरूकता विकसित करना तथा प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का ऐसा समूह तैयार करना था जो अपने-अपने क्षेत्रों में नशा मुक्ति का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचा सके। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं से जुड़े लगभग 150 प्रतिभागियों को मास्टर वॉलंटियर के रूप में प्रशिक्षित किया गया कार्यक्रम में न्यायाधीश जिला न्यायालय सीधी प्रशांत मिश्रा की विशेष उपस्थिति

रही। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज का निर्माण केवल शासकीय प्रयासों से संभव नहीं है इसके लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए जागरूकता फैलानी होगी। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी और सतत जागरूकता ही नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ सबसे प्रभावी माध्यम है कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. अनूप मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार की खुशहाली और समाज की प्रगति के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए सभी प्रतिभागियों से नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया बाल्मी प्रशिक्षण केंद्र भोपाल के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को नशा मुक्ति विषयक विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान चित्र प्रदर्शनी, इलेक्ट्रॉनिक प्रस्तुतियों तथा अन्य प्रशिक्षण सामग्रियों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों, रोकथाम के उपायों एवं जनजागरूकता गतिविधियों के प्रभावी संचालन की जानकारी दी गई विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को समुदाय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के व्यावहारिक पहलुओं से भी अवगत कराया इस अवसर पर गायत्री परिवार के प्रदीप द्विवेदी ने प्रेरणादायी व्याख्यान देते हुए युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों से नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, संस्कारित एवं सशक्त समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों एवं सकारात्मक जीवनशैली को अपनाकर ही नशे की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग धनंजय मिश्रा ने विभागीय उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए शासन द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपने-अपने कार्यक्षेत्र में व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान संचालित करने तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहयोग देने का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन भी उनके द्वारा किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, खंड पंचायत अधिकारी, जनपद पंचायतों के पंचायत समन्वय अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्यरत अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे

प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

वृद्धाश्रम में हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, वरिष्ठजनों को मिली चिकित्सकीय सेवाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित कैलाश स्वर्ण वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं बेहतर देखभाल के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में वृद्धाश्रम में निवासरत सभी वरिष्ठजनों का रक्तचाप (बीपी), शुगर सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण किए गए तथा आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत वृद्धजनों को स्वल्पाहार भी प्रदान किया गया चिकित्सकों ने वरिष्ठजनों को नियमित स्वास्थ्य जांच संतुलित आहार एवं सक्रिय दिनचर्या अपनाने की सलाह दी असहाय वरिष्ठजनों के लिए वृद्धाश्रम में उपलब्ध हैं सभी आवश्यक सुविधाएं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने आमजन से अपील की है कि ऐसे वरिष्ठजन जो असहाय हैं, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है अथवा जिनके परिजन उनकी उचित देखभाल करने में सक्षम नहीं हैं वे कैलाश स्वर्ण वृद्धाश्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं संस्था में उनके आवास भोजन स्वास्थ्य देखभाल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित

व्यवस्था उपलब्ध है वृद्धाश्रम में स्वच्छ एवं सुरक्षित परिसर, व्यवस्थित आवासीय कक्ष, पौष्टिक भोजन, नियमित चाय-नाश्ता तथा मनोरंजन एवं आध्यात्मिक गतिविधियों की व्यवस्था की गई है। वरिष्ठजनों के लिए प्रतिदिन भजन, संगीत, पूजा-अर्चना, आरती एवं टेलीविजन के माध्यम से सत्संग एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रशासन के सहयोग से समय-समय पर भ्रमण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं संस्था में निवासरत वरिष्ठजनों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है तथा जन्मदिन वैवाहिक वर्षगांठ एवं अन्य विशेष अवसरों पर सामूहिक कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें पारिवारिक वातावरण प्रदान करने का प्रयास किया जाता है अधिक जानकारी अथवा प्रवेश संबंधी प्रक्रिया के लिए इच्छुक व्यक्ति सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सीधी अथवा कैलाश स्वर्ण वृद्धाश्रम, पनवार टोल प्लाजा के पास, सीधी में संपर्क कर सकते हैं।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द : कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन :सीधी में चुनाव आयोग अध्यक्ष का पुतला दहन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा चुनाव में नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया जिला मुख्यालय में युवक कांग्रेस और एनएसयूआई के नेतृत्व में चुनाव आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध जताते हुए कलेक्ट्रेट चौराहे पर उनका पुतला दहन किया गया इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया गया। इसी के साथ विथिका भवन में एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें कांग्रेस

पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े करती है प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने किया। युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष करुण सिंह और एनएसयूआई प्रदेश सचिव विक्रांत सिंह सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता और कांग्रेसजन मौजूद रहे। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी और विथिका भवन के आसपास बैरिकेडिंग की गई थी युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग के बावजूद आगे बढ़ते हुए पुतला दहन का प्रयास किया। करुण सिंह अपने समर्थकों के साथ जुलूस की शक्ल में निकले और कलेक्ट्रेट चौराहे पहुंचकर चुनाव आयोग अध्यक्ष का पुतला आग के हवाले कर दिया पुतला दहन की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे तथा आग बुझाने के लिए पानी की बौछार भी की गई, लेकिन तब तक पुतला पूरी तरह जल चुका था। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इस कार्रवाई को लोकतंत्र की हत्या बताया कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में न्यायपूर्ण निर्णय नहीं लिया गया तो पार्टी आगामी दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप देगी। प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा और स्थिति को नियंत्रित बनाए रखा गया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के परिवार को पत्थरों से पीटा, पुराने जमीनी विवाद में मारपीट, क्रॉसकेस दर्ज वीडीयो

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र के अमरा गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई बुधवार सुबह करीब 10 बजे हुई इस घटना में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता धर्मवती पटेल, उनके पति रामसखा पटेल और परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए सभी घायलों का उपचार जिला चिकित्सालय सीधी में चल रहा है दूसरे पक्ष के लोगों को भी चोटें आई हैं पुराने विवाद ने लिया तूल जिला चिकित्सालय में भर्ती रामसखा पटेल (54) ने बताया कि गांव में लंबे समय से जमीनी विवाद चल रहा है बुधवार को यह विवाद बढ़कर मारपीट में बदल गया। उनका आरोप है कि गांव के कई लोगों ने उनके परिवार के साथ मारपीट की जिससे उन्हें उनकी पत्नी धर्मवती

पटेल तथा बेटों अमन पटेल और आकाश पटेल को चोटें आईं परिजनों के अनुसार इससे पहले भी वर्ष 2017 और 1 जनवरी 2026 को इसी तरह के विवाद और झगड़े की घटनाएं हो चुकी हैं इस बार घर के पास संचालित मुर्गा दुकान को लेकर भी तनाव की स्थिति बनी हुई थी।

दोनों पक्षों की शिकायत पर कार्रवाई: पुलिस के मुताबिक, धर्मवती पटेल की शिकायत पर रामायण कोल, करण कोल, विनोद कोल, श्यामकली कोल, अंजू कोल, अर्चना कोल जुलेखा बानो, रुकसाना बानो, जैमुननिशा बानो और नाजिया बानो समेत अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है वहीं दूसरे पक्ष की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पटेल परिवार के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर बढ़ सकती हैं धाराए अमिलिया थाना प्रभारी राकेश बैस ने बताया कि मामला जमीनी विवाद से जुड़ा है दोनों पक्षों की शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद घायलों की चोटों की गंभीरता के अनुसार आवश्यक धाराएं बढ़ाई जा सकती हैं पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कर अपवंचन की रोकथाम हेतु वाणिज्यिक कर विभाग ने प्रारंभ किया नागरिक सूचना डैशबोर्ड

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा कर अपवंचन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा कर प्रशासन में नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ष्नागरिक सूचना डैशबोर्डष् प्रारंभ किया गया है ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आम नागरिक संदिग्ध करदाताओं, अपंजीकृत व्यवसायों, फर्जी बिलिंग, कर चोरी, संदिग्ध गोदामों तथा परिवहित माल से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएं सीधे वाणिज्यिक कर विभाग को उपलब्ध करा सकेंगे विभाग द्वारा प्राप्त सूचनाओं का नियमानुसार परीक्षण कर आवश्यक जांच एवं कार्रवाई की जाएगी विभाग ने स्पष्ट किया है कि सूचना प्रदान करने वाले नागरिक की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में एनएसयूआई ने फूंका चुनाव आयोग का पुतला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) रीवा द्वारा आज कॉलेज चौराहा, रीवा में जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में चुनाव आयोग का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के समर्थन में नारेबाजी करते हुए चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले भारतीय जनता पार्टी ने जनादेश की अनदेखी करते हुए वोटों की चोरी करने का काम किया, फिर विपक्षी विधायकों को खरीदने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास किया। जब कांग्रेस के विधायक नहीं टूटे और खरीद-फरोख्त की राजनीति सफल नहीं हुई, तब कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन ही निरस्त करा दिया गया। पंकज उपाध्याय ने कहा कि भाजपा एक ओर महिला आरक्षण और महिला सशक्तिकरण की बड़ी-बड़ी बातें करती है, वहीं दूसरी ओर एक आदिवासी महिला को राज्यसभा पहुंचने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दोहरा चरित्र देश की जनता के सामने उजागर हो चुका है। किसी महिला, विशेषकर आदिवासी समाज से आने वाली महिला नेतृत्व की लोकतांत्रिक भागीदारी को बाधित करना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह पूरा घटनाक्रम संविधान और लोकतंत्र की हत्या के समान है तथा इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। चुनाव आयोग को सत्ता के दबाव से मुक्त होकर निष्पक्ष भूमिका निभानी चाहिए, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली दिखाई देती हैं।

एनएसयूआई ने मांग की कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और निष्पक्षता को बनाए रखा जाए तथा विपक्ष की आवाज को दबाने के प्रयास बंद किए जाएं। उन्होंने कहा कि देश का युवा और छात्र वर्ग लोकतंत्र को कमजोर करने वाली किसी भी साजिश को स्वीकार नहीं करेगा और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा अंत में चुनाव आयोग का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया। इस अवसर पर एनएसयूआई के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिरसी घाट पर अवैध रेत उत्खनन पर खनिज विभाग की सख्त कार्रवाई, तीन वाहन जब्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की गोपदबनास तहसील के ग्राम सिरसी स्थित गोपद नदी घाट पर अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की सूचना पर खनिज विभाग की टीम ने तेज कार्रवाई करते हुए तीन वाहनों को जब्त किया इस कार्रवाई के दौरान वाहन चालक तेज रफ्तार से भागने लगे और दो किलोमीटर तक पीछा करने के बाद वाहन छोड़कर फरार हो गए जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनि निरीक्षक शिशिर यादव की अगुवाई में गठित टीम ने सिरसी घाट पर दबिश दी। जानकारी के अनुसार, दो वाहन चालकों ने रास्ते में ही रेत खाली कर साक्ष्य

मिटाने का प्रयास किया, लेकिन विभाग की टीम ने लगातार उनका पीछा किया और वाहनों को जब्त करने में सफलता प्राप्त की कार्रवाई के दौरान बिना नंबर वाली टाटा-407 को पकड़ते हुए चालक बाला प्रसाद यादव, निवासी सिरसी को चिन्हित किया गया। एक अन्य टाटा-407 (क्रमांक स्ब्क्र53ळ4183) को लावारिस हालत में जब्त किया गया। तीसरे वाहन (क्रमांक MP53GA3272) को रेत सहित पकड़ा गया, जिसके चालक रामकुमार यादव, निवासी

सिरसी को मौके पर चिन्हित किया गया। तीनों वाहनों को थाना कोतवाली सीधी की अभिरक्षा में सौंपा गया खनिज विभाग ने संबंधित वाहन स्वामियों और चालकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज अवैध उत्खनन, परिव।

दो दिवसीय शिक्षक प्रेरणा प्रशिक्षण का शुभारंभ, शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं दक्षता संवर्धन पर रहेगा विशेष फोकस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार विकासखंड कुसमी में दो दिवसीय शिक्षक प्रेरणा प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य कुसमी जमुनी देवी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी ज्ञानेंद्र मिश्रा उपस्थित रहे। बीआरसीसी कुसमी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के व्यक्तित्व विकास, शैक्षणिक दक्षता संवर्धन तथा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना है प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को विद्यालय विकास एवं प्रबंधन, प्रभावी शिक्षण कौशल, टीचिंग-लर्निंग मटेरियल (टीएलएम) एवं प्रयोगशालाओं के शैक्षणिक उपयोग, शिक्षा में नवाचार तथा विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों में सुधार संबंधी विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा इसके साथ ही नेतृत्व क्षमता एवं टीमवर्क, समावेशी शिक्षा, शिक्षक दक्षता संवर्धन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न आयामों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा मिशन अंकुर की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को निपुण बनाने संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी प्रशिक्षण में शिक्षकों के भीतर स्व-प्रेरणा एवं सकारात्मक कार्य संस्कृति के विकास पर विशेष बल दिया जाएगा।

शिक्षा के क्षेत्र में सीधी की नई उपलब्धि, विद्यार्थियों ने बढ़ाया जिले का मान

अधिगम संवर्धन कार्यक्रम के बेसलाइन मूल्यांकन में दो विद्यार्थियों ने प्रदेश में प्राप्त किया प्रथम स्थान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शैक्षिक गुणवत्ता सुधार के क्षेत्र में सीधी जिले ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। लर्निंग इनहैंसमेंट प्रोग्राम अंतर्गत आयोजित अधिगम संवर्धन कार्यक्रम के बेसलाइन मूल्यांकन में जिले के दो विद्यार्थियों ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया है। वहीं मझौली विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डांगा ने भी प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी विशेष पहचान बनाई है कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के बेसलाइन मूल्यांकन, शिक्षकों के एआई आधारित प्रशिक्षण, विद्यार्थियों के शैक्षणिक सशक्तीकरण तथा ऑनलाइन माध्यम से एंडलाइन मूल्यांकन जैसी विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों की आधारभूत एवं विषयगत दक्षताओं में सुधार अधिगम के प्रति रुचि तथा छात्र सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई 29 अक्टूबर 2025 को आयोजित बेसलाइन मूल्यांकन के आधार पर राज्य स्तरीय टॉपर्स का चयन किया गया इसमें शासकीय हाईस्कूल कुनझुनकला की कक्षा 10वीं की छात्रा सेजल साहू तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिनौती की कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय की छात्रा काजल जायसवाल ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया इसके अतिरिक्त कक्षा 11वीं कला संकाय श्रेणी में पूरे प्रदेश में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डांगा को श्रेष्ठ विद्यालय के रूप में चयनित किया गया जो जिले के लिए गौरव का विषय है कलेक्टर विकास मिश्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है उन्होंने कहा कि समर्पण, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं जिला शिक्षा अधिकारी पी.के. सिंह ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सहायक संचालक एवं समग्र शिक्षा के एडीपीसी ओशो उत्सव ने डांगा विद्यालय के प्रदेश के श्रेष्ठ विद्यालय के रूप में चयनित होने पर विद्यालय परिवार तथा पूरी टीम को बधाई दी।

विकास और विश्वास:बड़े बदलावों संग विकसित भारत का संकल्प

संपादकीय

सत्ता शीर्ष पर बारह साल के कार्यकाल के दौरान अनेक विशिष्ट उपलब्धियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्से में आई हैं। एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। पं. नेहरू ने पहले आम चुनाव के बाद 13 मई, 1952 को विधिवत निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शुरू किया, जो 1964 तक चला। वहीं नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ 9 जून, 2024 को ली। निश्चय ही भारत जैसे विशाल, सांस्कृतिक विविधता वाले तथा दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश का इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहना एक बड़ी उपलब्धि कही जाएगी। भाजपा नीत राजग गठबंधन सरकार के हिस्से में यूं तो कई उपलब्धियां हैं, लेकिन एक सशक्त केंद्र सरकार देश की एकता-अखंडता के लिए प्रतिबद्ध रही है। निस्संदेह, मोदी युगीन इन बारह सालों को अनुच्छेद-370 हटाने, नक्सलवाद के खात्मे, आतंकवाद के खिलाफ आक्रामक सुरक्षा नीति, आध्यात्मिक पर्यटन, महिला आरक्षण, डिजिटल इंडिया मुहिम, तीन तलाक से मुक्ति व आर्थिक आरक्षण की उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा। निस्संदेह, कुछ फैसले ऐसे रहे हैं जिन्होंने देश को नई दिशा दी। लोगों को गरिमा व अवसर दिलाने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं बदलावकारी कही जाती हैं। साथ ही उन लोगों को 'अंत्योदय दृष्टि' से प्रेरित होकर लाभ देने की कोशिश हुई, जो असमानता के चलते पीछे छूट गए थे। बड़ी संख्या में जनधन खाते खोले जाने का लाभ विशेष रूप से महिलाओं को मिला। जहां डायरेक्ट बेनिफट ट्रांसफर से जहां लोगों को समय पर मदद मिली, वहीं बिचौलियों पर नकेल कसने से भ्रष्टाचार पर अंकुश भी लगा। मोदी सरकार ने 'एक देश, एक कर' की सोच को जीएसटी लागू करके हकीकत बनाया। जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर विराजे थे तो उन्होंने उद्घोष किया था कि न 'खाऊंगा और न खाने दूंगा।' यह हकीकत है मानवीय दुर्बलताओं और समाज में लगातार बढ़ती भौतिकवाद की सोच के चलते समाज में भ्रष्टाचार पर अपेक्षित लगाम नहीं लगी, लेकिन उनके कार्यकाल में कोई मंत्री प्रत्यक्ष तौर पर किसी बड़े भ्रष्टाचार में लिप्त नजर नहीं आया। निस्संदेह, खाड़ी संकट के चलते महंगे हुए पेट्रोलियम पदार्थों से महंगाई असर दिखा रही है, लेकिन समय रहते प्रबंधन के चलते वैसे हालात भी नहीं पैदा हुए, जैसे हमारे पड़ोसी देशों में नजर आ रहे हैं। अमेरिका दबाव के बावजूद रणनीतिक ढंग से रूस से सस्ता तेल खरीदकर मोदी सरकार ने जहां देश के आपातकालीन पेट्रोलियम भंडारण को बढ़ाया, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा की भी बचत की।

10 करोड़ गरीब महिलाओं पर कुठाराघात

सनत जैन

मोदी सरकार की सबसे बड़ी उज्ज्वला योजना जिसका प्रचार-प्रसार देश और विदेश तक मोदी सरकार ने किया था अब इस योजना में सरकार लगातार कटौती करती चली जा रही है। इसको लेकर मोदी सरकार के प्रति एक नई अवधारणा बनना शुरू हो गई है, जिसमें यह कहा जा रहा है जिस योजना को सरकार अपनी सफलता के मानदंड में पिछले एक दशक से 10 करोड़ महिलाओं को सब्सिडी के गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की बात कर रही थी इस योजना में 1 वर्ष में पहले 12 सिलेंडर देने की व्यवस्था थी उसे घटाकर 9 किया गया फिर 6 किया गया और अब सरकार ने चार सिलेंडर देने का निर्णय किया है। उज्जवला योजना के तहत 10 करोड़ गरीब महिलाओं का पंजीयन है। 642 रुपए प्रति सिलेंडर में इन्हें 14 किलो का सिलेंडर मिल रहा था जो अब 12 से घटकर चार पर आ गया है। सरकार इसमें 25000 करोड़ रुपए की सब्सिडी को कम करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समय-समय पर गरीब महिलाओं की आंखों में आंसू नहीं आएं इसके लिए उज्जवला योजना का प्रचार सारे देश में, हर चुनाव में करते हैं। महंगाई और बेरोजगारी के इस दौर में जब सरकार ने मनरेगा योजना को अभी बंद करके रखा है इसी बीच उज्ज्वला योजना के सिलेंडर घटा कर सबसे गरीब महिलाओं के ऊपर कुठाराघात किया है।

प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने इस पर तीव्र कटाक्ष करते हुए सरकार को निशाने पर लिया है। कांग्रेस का कहना है मोदी सरकार गरीबों का निवाला छिनती चली जा रही है। वहीं दूसरी तरफ वह पूंजीपतियों को लगातार राहत पहुंचा रही है। केंद्र सरकार ने कच्चे तेल, पेट्रोल-डीजल और एलपीजी में जो एक्साइज ड्यूटी घटाई है इसका लाभ कंपनियों को मिला है। उपभोक्ताओं से लगातार डीजल-पेट्रोल, एलपीजी के बड़े हुए दाम वसूल किये जा रहे हैं। अब तो हद हो गई है, पहले केंद्र सरकार ने मनरेगा को बंद किया, अब इसके बाद उज्ज्वला योजना के तहत जो एलपीजी सिलेंडर सब्सिडी के दाम पर 10 करोड़ गरीब महिलाओं को मिल रहे थे अब उन महिलाओं को आर्थिक संकट में इस सरकार ने डाल दिया है। कांग्रेस ने इसे बहुत बड़ा मुद्दा बना लिया है। सरकार की आर्थिक स्थिति को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। उसमें उज्ज्वला योजना के तहत यदि सरकार गरीब महिलाओं को नाराज कर सकती है तो यह भी कहा जा रहा है, सरकार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। बीच में सोना बेचने की भी खबर आई थी। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई, लेकिन जिस तरह से सरकार की आर्थिक स्थिति को लेकर आए दिन नए-नए समाचार सुनने को मिल रहे हैं उसको देखते हुए अब सरकार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं।

सरकार विभिन्न मामलों में जिस तरह से घिरी हुई है उसके बाद भी जब महंगाई, बेरोजगारी निरंतर बढ़ रही हो सरकार के खिलाफ आंदोलन हो रहे हों, ऐसे समय पर सरकार यदि इस तरह के निर्णय ले रही है तो इसका यही अर्थ निकाला जा रहा है कि भारत सरकार गहरे आर्थिक संकट में फस गई है। आयात लगातार बढ़ता चला जा रहा है। डॉलर और अन्य विदेशी मुद्रा की तुलना में भारतीय रुपए में लगातार गिरावट बनी हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार में भी जबरदस्त दबाव है। किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल पा रही है। खाद की सब्सिडी भी सरकार द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से कम की गई है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, सरकार जिस तरह से निर्णय ले रही है उसको देखते हुए भविष्य में सरकार को कई बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। शेयर बाजार में भी लगातार गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है। बैंकों का पैसा बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में लगा हुआ है। म्युचुअल फंड ने भी कंपनियों में बड़ा निवेश करके रखा है। यहां पर भी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को घाटा उठाना पड़ रहा है। उज्ज्वला योजना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता वाली योजना थी। 10 करोड़ महिलाओं को नाराज करना सरकार के लिए आसान नहीं था लेकिन यदि ऐसा निर्णय हुआ है तो निश्चित रूप से सरकार के ऊपर भयंकर आर्थिक दबाव है। महंगाई और बेरोजगारी को देखते हुए इस तरह की स्थिति सभी की चिंता को बढ़ा रही है।

बेरोजगारों को ठग रहे हैं गिरोहबंद जालसाज

मनोज कुमार अग्रवाल

आजकल ठग बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाने के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और फर्जी वेबसाइटों का सहारा ले रहे हैं.एक ओर देश में बेरोजगारी की समस्या गंभीर होती जा रही है और केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के दावे खोखले सिद्ध हो रहे हैं। इसीलिए देश के विभिन्न राज्यों से युवा पलायन करके रोजगार की तलाश में दूसरे देशों को जा रहे हैं और जो विदेश जाने का जुगाड़ नहीं कर पाते उनमें से अनेक नौकरी दिलाने का लालच देकर ठगने वाले गिरोहों का शिकार बन रहे हैं। कई बार देश विदेश तक फैले जालसाजों के गिरोह भोले भाले युवाओं को रोजगार दिलाने का झांसा देकर विदेश भेज देते हैं वहां पहुंचने पर पता चलता है कि ठगे गए लेकिन समझौता करना पड़ता है और बेहद निम्न स्तरीय काम रोजगार कर विदेश से लौटने के लिए कई कई साल वहां फंसकर रह जाते हैं।

ठगी के कुछ मुख्य प्रचलित तरीके पंजीकरण शुल्क नौकरी शुरू करने या इंटरव्यू के नाम पर एडवांस पैसों की मांग करना.फर्जी जॉइनिंग लेटर बड़ी कंपनियों या सरकारी विभागों के नकली सील-सिक्के वाले पत्र थमाना.वर्क फ्रॉम होम / पार्ट-टाइम टास्कघर बैठे लाइक करें या वीडियो देखें जैसे काम देकर शुरू में थोड़ा फायदा दिखाना और बाद में बड़ी रकम निवेश कराकर ठग लेना। आए दिन इस तरह की वारदातों की झड़ी लगी है युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगी का शिकार बन जाने पर तमाम कैरियर चौपट हो जाता है परिवार की जमा पूंजी ठग लेकर रफूचककर हो जाते हैं इस तरह बेरोजगारों पर दोहरी मार पड़ जाती है। कुछ वारदातों से समझने का प्रयास करें।

आपको बता दें कि 2 जनवरी को अनूपशहर (उत्तर प्रदेश) के एक युवक अंकित कुमार को गृह मंत्रालय में डाटा एंट्री आप्रेटर की नौकरी दिलाने का लालच देकर उससे 16 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में दिल्ली की एक महिला के विरुद्ध केस दर्ज किया गया।

1 मार्च को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में विदेश में ऊंची सैलरी वाली नौकरी दिलवाने का लालच देकर 100 से अधिक लोगों से लगभग 70 लाख रुपयों की ठगी करने वाले 2 जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। 13 मार्च को गुरुग्राम में वर्क इंडिया ऐप के जरिए शिस कार्पोरेशन नामक फर्जी कम्पनी बनाकर बेरोजगारों से ट्रेनिंग और वैरीफिकेशन के नाम पर पैसे ऐंठने वाले गिरोह के विरुद्ध एफ. आई.आर. दर्ज की गई। 30 मार्च को ठाणे (महाराष्ट्र) में एक बेरोजगार युवक को रूस में अच्छी नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.92 लाख रुपए ठगने के आरोप में एक महिला सहित 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

5 मई को रायपुर (छत्तीसगढ़) ग्रामीण पुलिस ने सरकारी विभागों में नौकरी दिलवाने के नाम पर 34 लोगों से करोड़ों रुपए की वसूली करने वाले एक शिक्षक और क्लर्क को गिरफ्तार किया।28 मई को जबलपुर (मध्य प्रदेश) में नौकरी लगवाने का लालच देकर एक युवक से 1.26 लाख रुपए की ठगी मारने का मामला सामने आया। आरोपी स्वयं को नेताओं का करीबी बताकर लोगों से रुपए वसूलता था।3 जून को खटीमा (उत्तराखंड) में एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दिलवाने का लालच देकर तथा उसे फर्जी नियुक्तिपत्र देकर उससे 21 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने केस दर्ज किया 4 जून को पुणे (महाराष्ट्र) के हिंजवाड़ी फेज-2 स्थित थिंक टैक्नोलॉजी इंडिया नाम की कम्पनी द्वारा सैंकड़ों इंजीनियरिंग ग्रैजुएट्स, फ्रैशर्स और इंटर्स को नौकरी, स्टाइपेंड व स्थायी रोजगार का सपना दिखाकर लाखों रुपए ठग लेने के आरोप में कम्पनी के सी.ई.ओ. हर्षल ठाकरे को गिरफ्तार किया गया जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

5 जून को नोएडा (उत्तर प्रदेश) में होटल मैनेजमैंट के छात्रों को विदेशी क्रूज पर नौकरी दिलाने का लालच देकर 52 लाख रुपयों की ठगी करने का भंडाफोड़ हुआ। ठगों ने सोशल मीडिया विज्ञापनों और फर्जी इंटरव्यू के जरिए छात्रों को जाल में फंसाया था।

5 जून को ही सिरसा (हरियाणा) के नाथूसरी चौपटा गांव में अली मोहम्मद नामक युवक को विदेश में नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 1.90 लाख रुपए ठगने के आरोप में राजस्थान के एक आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने केस दर्ज किया।और अब 6 जून को ग्वालियर (मध्यप्रदेश) के महाराजपुरा में एक तांगा चलाने वाले को नगर निगम में नौकरी दिलवाने का लालच देकर उससे 2.25 लाख रुपए ठग लेने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के विरुद्ध केस दर्ज किया।ये तो वे चंद वारदातों हैं जो समाचारपत्रों में प्रकाशित हुए हैं। इनके अलावा भी न जाने ऐसे कितने मामले हुए होंगे जिनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। अतः नौकरी पाने के उतावले पन में नौकरी दिलवाने का दावा करने वाले लोगों की अच्छी तरह पड़ताल करने और काम हो जाने के बाद ही उन्हें पैसे देने चाहिएं।

ऐसे मामले सामने आने के बाद पुलिस को आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। शिकायत कहाँ और कैसे करें?यदि आपके साथ या किसी परिचित के साथ ऐसी ठगी हुई है, तो बिना समय गंवाए नीचे दिए गए कदम उठाएं:साइबर हेल्पलाइन : तुरंत टोल-फ्री नंबर 1930 डायल करें. यदि वित्तीय धोखाधड़ी के 2 घंटे के भीतर शिकायत की जाए, तो पैसे फ्रीज होने की संभावना बढ़ जाती है.ऑनलाइन शिकायत : गृह मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल साइबर क्राइम पोर्टल पर जाकर पूरी जानकारी, चैट स्क्रीनशॉट और बैंक ट्रांजैक्शन डिटेल्स अपलोड करें.लोकल पुलिस स्टेशन आप अपने नजदीकी थाने या साइबर सेल में जाकर भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी की लिखित शिकायत दर्ज करा सकते हैं.बैंक को सूचित करें: जिस बैंक अकाउंट या यूपीआई से पैसे ट्रांसफर हुए हैं, उस बैंक को तुरंत सूचित कर ट्रांजैक्शन ब्लॉक करने को कहें.ठगी से बचने के जरूरी नियमपैसे कभी न दें: कोई भी असली कंपनी या सरकारी विभाग नौकरी देने के बदले पैसों की मांग नहीं करता है.वेबसाइट की जांच करें: सरकारी नौकरियों की जानकारी हमेशा सिर्फ द्दश्र1.द्बठ्ठ या ठ्ठद्बष्.द्बठ्ठ वाली आधिकारिक वेबसाइटों पर ही देखें.सत्यापन किसी भी अनजान नंबर से आए जॉब ऑफर पर भरोसा करने से पहले उस कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या लिंक्डइन प्रोफाइल पर जाकर वैकेंसी की पुष्टि करें जरूरत है कि जागरूक बने सावधान रहें सतर्क रहें ऐसा करके ही युवाओं को इस तरह की ठगी से बचाया जा सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

इंडिया गठबंधन के 5 निर्णय से विपक्ष को मिली संजीवनी

सौरभ वार्ष्णेय

अभी हाल ही में 5 राज्यों के चुनावों के बाद देश की राजनीति में विपक्षी दलों के गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) की बैठक में लिए गए पांच प्रमुख निर्णय केवल राजनीतिक घोषणाएं नहीं हैं, बल्कि केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष की आगामी रणनीति का खाका भी प्रस्तुत करते हैं। इन निर्णयों से स्पष्ट संकेत मिलता है कि विपक्ष चुनावी पारदर्शिता, शिक्षा, आर्थिक चुनौतियों और संसदीय समन्वय जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। इस बैठक से कुछ हद तक क्षेत्रियों दलों को संजीवनी मिलती दिखाई दे रही है। वहीं कांग्रेस पार्टी प्रदेशों में इन समस्याओं को लेकर आंदोलनरत हैं। अच्छी बात यह ही कि आज भी इस विपक्षी खेमे में 23 दलों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

1. मतदाता सूची और चुनावी निष्पक्षता का मुद्दा : बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मतदाता सूची में कथित हेरफेर, विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनावों की निष्पक्षता पर उठे प्रश्नों के संबंध में भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजा जाएगा। यह निर्णय दर्शाता है कि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को राष्ट्रीय बहस का विषय बनाना चाहता है। लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव उसकी आत्मा होते हैं। यदि मतदाता सूची या चुनावी प्रक्रिया पर संदेह उत्पन्न होता है तो लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास प्रभावित हो सकता है। हालांकि इस मुद्दे पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि सभी पक्ष तथ्यात्मक प्रमाणों और संवैधानिक प्रक्रियाओं के आधार पर अपनी बात रखें। मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने का निर्णय विपक्ष द्वारा संवैधानिक संस्थाओं के माध्यम से अपनी चिंता व्यक्त करने का प्रयास माना जा सकता है।

2. शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग: बैठक का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग से जुड़ा है। हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, अनियमितताओं और प्रशासनिक विफलताओं के आरोप लगातार सामने आए हैं।लाखों युवाओं की मेहनत और भविष्य इन परीक्षाओं से जुड़ा होता है। जब परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठते हैं तो केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि पूरे भर्ती तंत्र की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। विपक्ष इसी जनभावना को राजनीतिक मुद्दा बना रहा है।यद्यपि इस्तीफा मांगना विपक्ष का राजनीतिक अधिकार है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। देश के युवाओं को राजनीतिक बयानबाजी से अधिक भरोसेमंद व्यवस्था की आवश्यकता है।

3. आर्थिक स्थिति, बेरोजगारी और महंगाई पर सर्वदलीय बैठक की मांग : विपक्ष ने बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याओं और आर्थिक चुनौतियों पर केंद्र सरकार से तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है।यह निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आर्थिक मुद्दे सीधे आम नागरिकों के जीवन से जुड़े हैं। रोजगार के अवसर, बढ़ती कीमतें, कृषि संकट और आय असमानता जैसे विषय केवल राजनीतिक बहस नहीं बल्कि जनजीवन की वास्तविक चुनौतियां हैं।सर्वदलीय बैठक की मांग यह संदेश देती है कि विपक्ष इन मुद्दों पर राष्ट्रीय सहमति और व्यापक चर्चा चाहता है। यदि सरकार इस दिशा में पहल करती है तो लोकतांत्रिक संवाद को मजबूती मिल सकती है। वहीं यदि यह मांग अनसुनी रहती है तो विपक्ष इसे जनआंदोलन का रूप देने का प्रयास कर सकता है।

4. प्रत्येक दो माह में बैठक का निर्णय: गठबंधन ने प्रत्येक दो माह में नियमित बैठक करने तथा अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में आयोजित करने का निर्णय लिया है।गठबंधन राजनीति में सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न दलों के बीच समन्वय बनाए रखना होती है। पिछले अनुभव बताते हैं कि कई विपक्षी गठबंधन आंतरिक मतभेदों के कारण कमजोर पड़ गए। ऐसे में नियमित बैठकों का निर्णय गठबंधन को सक्रिय और संगठित बनाए रखने का प्रयास है।हैदराबाद में अगली बैठक आयोजित करने का फैसला दक्षिण भारत को राजनीतिक रूप से अधिक महत्व देने की रणनीति का भी संकेत माना जा सकता है। इससे गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

5. मानसून सत्र में संसदीय समन्वय: बैठक का पांचवां निर्णय संसद के मानसून सत्र से जुड़ा है। सभी दलों ने प्रतिदिन समन्वय बैठक आयोजित करने और संसद के भीतर एकजुट रणनीति अपनाने पर सहमति व्यक्त की है।संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है। यदि विपक्ष समन्वित ढंग से कार्य करता है तो वह सरकार को अधिक प्रभावी ढंग से जवाबदेह बना सकता है। यह निर्णय संकेत देता है कि विपक्ष आगामी सत्र में बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, चुनावी पारदर्शिता और किसानों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगा। राजनीतिक मायने : इन पांच निर्णयों से तीन बड़े संदेश निकलकर सामने आते हैं– विपक्ष चुनावी पारदर्शिता को बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की तैयारी में है। युवा, रोजगार और शिक्षा जैसे जनसरोकारों को केंद्र में रखकर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जा रही है।गठबंधन अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत कर 2029 की राजनीतिक चुनौतियों के लिए दीर्घकालिक तैयारी करना चाहता है। जनबंधन की बैठक के निर्णय विपक्ष की सक्रियता और एकजुटता का संकेत देते हैं। चुनावी पारदर्शिता, शिक्षा व्यवस्था, आर्थिक चुनौतियां और संसदीय समन्वय जैसे मुद्दे लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। अब यह देखना होगा कि विपक्ष इन मुद्दों को जनआंदोलन का स्वरूप दे पाता है या नहीं, और सरकार इन मांगों पर किस प्रकार प्रतिक्रिया देती है। लोकतंत्र में स्वस्थ विपक्ष उतना ही आवश्यक है जितनी एक मजबूत सरकार। इसलिए इन निर्णयों का महत्व केवल राजनीतिक नहीं बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श को दिशा देने के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण माना जाएगा।

दवाओं पर महंगाई की मार बढ़ती कीमतों से मरीजों का बढ़ा आर्थिक बोझ

वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर अब आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में इसका प्रभाव चिंताजनक रूप में सामने आया है। दवाओं के निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की कीमतों में तेजी से वृद्धि, समुद्री भाड़े में बढ़ोतरी, पैकेजिंग सामग्री के महंगे होने और परिवहन लागत बढ़ने के कारण दवा कंपनियों ने कई आवश्यक दवाओं के दाम बढ़ा दिए हैं। बाजार में पहुंच रहे नए स्टॉक की दवाएं 8 से 17 प्रतिशत तक महंगी हो चुकी हैं। इसका सीधा असर उन लाखों मरीजों पर पड़ रहा है जो नियमित रूप से दवाओं पर निर्भर हैं।

कांतिलाल मांडोत

भारत विश्व के प्रमुख दवा उत्पादक देशों में शामिल है, लेकिन दवा निर्माण में उपयोग होने वाले कई महत्वपूर्ण कच्चे पदार्थों और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स की आपूर्ति अब भी बड़े पैमाने पर विदेशों से होती है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़े तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं के कारण इन कच्चे पदार्थों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। पेट्रोकेमिकल आधारित कई आवश्यक रसायनों की कीमतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। बेंजीन, टोल्यून और एथिलीन जैसे रसायन दवा उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इनका उपयोग पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, एंटीबायोटिक्स और अन्य कई जीवनरक्षक दवाओं के निर्माण में किया जाता है। जब इनकी कीमत बढ़ती है तो उसका प्रभाव सीधे दवा उत्पादन लागत पर पड़ता है।

दवा उद्योग केवल कच्चे रसायनों पर ही निर्भर नहीं होता बल्कि उसकी पैकेजिंग भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। टैबलेट की स्ट्रिप, सिरप की बोतल, इंजेक्शन की शीशियां, सिरिंज और मेडिकल उपकरणों में प्लास्टिक तथा एल्युमीनियम का व्यापक उपयोग किया जाता है। इन दोनों सामग्रियों की कीमतों में हाल के समय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके कारण उत्पादन लागत बढ़ी है और कंपनियों को अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने पड़े हैं। पैकेजिंग लागत में बढ़ोतरी का

असर विशेष रूप से उन दवाओं पर अधिक दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग बड़े पैमाने पर होता है।

समुद्री परिवहन की लागत में वृद्धि भी दवा उद्योग के लिए बड़ी समस्या बन गई है। अधिकांश कच्चा माल विदेशों से समुद्री मार्ग के जरिए भारत पहुंचता है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण जहाजरानी कंपनियों ने भाड़ा बढ़ा दिया है। साथ ही बीमा और लॉजिस्टिक्स लागत में भी वृद्धि हुई है। इसका असर आयातित कच्चे माल की कीमतों पर पड़ा है। जब उत्पादन की लागत बढ़ती है तो अंततः उसका बोझ उपभोक्ताओं पर ही पड़ता है। यही कारण है कि दवाओं की नई खेप पहले की तुलना में अधिक कीमत पर बाजार में पहुंच रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार सबसे अधिक असर उन दवाओं पर दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग रोजमर्रा के उपचार में किया जाता है। बुखार, दर्द, संक्रमण, एलर्जी और पेट संबंधी बीमारियों की दवाएं पहले की तुलना में महंगी हो गई हैं। पैरासिटामोल जैसे सामान्य उपयोग के साल्ट के कच्चे माल की कीमत में एक महीने के भीतर लगभग 47 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। दर्द निवारक दवाओं में उपयोग होने वाले डाइक्लोफेनाक और डाइक्लोफेनाक पोटेशियम की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। एंटीबायोटिक्स के क्षेत्र में अमॉक्सिसिलिन ट्राइहाइड्रेट और सिप्रोफ्लोक्सासिन जैसे प्रमुख साल्ट भी महंगे हो गए हैं। इससे संक्रमण संबंधी उपचार की लागत बढ़ने की आशंका है।

दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। ऐसे परिवार जिनमें बुजुर्ग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग या अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित सदस्य हैं, उन्हें हर महीने दवाओं पर निश्चित राशि खर्च करनी पड़ती है। जब दवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि होती है तो घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव बनता है। कई बार मरीज आर्थिक कारणों से दवाओं की मात्रा कम कर देते हैं या उपचार बीच में ही छोड़ देते हैं, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति और गंभीर हो सकती है।

चिंता की बात यह भी है कि बड़ी दवा कंपनियां आमतौर पर तीन से छह महीने तक का कच्चा माल अपने पास संग्रहित रखती हैं, इसलिए उन पर तत्काल असर अपेक्षाकृत कम पड़ता है। लेकिन छोटी और मध्यम स्तर की दवा कंपनियां सीमित मात्रा में ही कच्चा माल खरीद पाती हैं। जब सप्लाई चेन प्रभावित होती है तो इन कंपनियों के उत्पादन पर सीधा असर पड़ता है। कई कंपनियां नए ऑर्डर लेने में भी हिचकिचा रही हैं। इससे बाजार में दवाओं की उपलब्धता और कीमत दोनों प्रभावित हो सकती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल की कीमतों और परिवहन लागत में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो आने वाले महीनों में दवाओं के थोक और खुदरा दामों में और वृद्धि देखने को मिल सकती है। इसका असर केवल सामान्य दवाओं तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि सर्जिकल सामग्री, मेडिकल उपकरण और अस्पतालों में उपयोग होने वाली अन्य आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हो सकती हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की कुल लागत बढ़ेगी और आम नागरिकों को अधिक आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा।

वर्तमान परिस्थितियां यह संकेत देती हैं कि दवा उद्योग को कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से काम करना होगा। देश में ही आवश्यक रसायनों और एपीआई के उत्पादन को बढ़ावा देकर भविष्य में ऐसी परिस्थितियों के प्रभाव को कम किया जा सकता है। साथ ही सरकार और उद्योग जगत को मिलकर ऐसी रणनीति तैयार करनी होगी जिससे आवश्यक दवाओं की कीमतें नियंत्रण में रहें और मरीजों को राहत मिल सके। स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऐसे में दवाओं की बढ़ती कीमतें केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक चिंता का विषय भी हैं। यदि समय रहते इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में लाखों मरीजों के लिए इलाज कराना और अधिक महंगा हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि दवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाया जाए, घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जाए और मरीजों को सस्ती व सुलभ दवाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। तभी स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ते आर्थिक दबाव को कम किया जा सकेगा।

उमरवाह में सुशासन तिहार का भव्य समापनरू हजारों ग्रामीणों की मौजूदगी में समस्याओं का हुआ समाधान

जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह ने सुनीं जन समस्याएं, हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ, कई मामलों का मौके पर हुआ निराकरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल 'सुशासन तिहार 2026' का जिला स्तरीय अंतिम जनसमस्या निवारण शिविर विकासखंड भरतपुर की ग्राम पंचायत उमरवाह में जनभागीदारी सुशासन और संवेदनशील प्रशासन का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आया संवाद से संपूर्ण समाधान की भावना के साथ आयोजित इस शिविर में 13 ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों ने सहभागिता कर शासन-प्रशासन के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया शिविर में ग्राम पंचायत शेरी, कुदरा, खाड़ाखोह, खेतौली, बहरासी, रामगढ़, मोहनटोला, मट्ठा, लाखनटोला, जोलगी, अमरवाह, चुटकी एवं धोवाताल के ग्रामीण बड़ी संख्या में अपनी समस्याएं, मांगें और सुझाव लेकर पहुंचे। प्राप्त आवेदनों में से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों को निर्देशित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, जनपद उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य, जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य मीना सिंह, जनपद सदस्य सविता सिंह, फूलबाई, कैलाश सिंह, धर्मपाल मरावी, एसडीएम शशिशेखर मिश्रा, जनपद पंचायत सीईओ अजय राठौर सहित जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों ने विभागीय स्टॉलों का किया निरीक्षणः जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बिहान, मनरेगा, समाज कल्याण, कृषि, उद्यानिकी, वन, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, पुलिस, पशु चिकित्सा, आयुष, जल संसाधन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना क्रेडा एवं आयुष्मान भारत योजना सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा आमजनों को योजनाओं की जानकारी और लाभ उपलब्ध कराए गए।

सुशासन तिहार ने शासन और जनता के बीच बढ़ाया विश्वासः यशवंती सिंहः जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन की नई कार्य संस्कृति स्थापित हुई है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन और प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहा है। यह अभियान संवेदनशील, जवाबदेह और जनहितैषी शासन व्यवस्था का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने महतारी वंदन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अब अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह ने कहा कि सुशासन तिहार के अंतिम दिवस पर प्राप्त सभी मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदनों का नियमानुसार समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने राजस्व, वनाधिकार, राशन कार्ड, सीमांकन, प्रधानमंत्री आवास, कृषि एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से जुड़े मामलों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया हितग्राहियों को मिला विभिन्न योजनाओं का लाभ शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। 15 हितग्राहियों को अंत्योदय राशन कार्ड, 5 हितग्राहियों को छड़ी, 10 किसानों को मूंग बीज, 10 हितग्राहियों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए वहीं अरविंद को मछली पकड़ने का जाल प्रदान किया गया वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत रतन सिंह, बृजभान सिंह एवं रामकृपाल को उनके आवास की चाबियां सौंपकर गृहप्रवेश की शुभकामनाएं दी गईं। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड, जॉब कार्ड, राशन कार्ड एवं आधार कार्ड भी वितरित किए गए।

गोदभराई, अन्नप्राशन और यूनिफॉर्म वितरण ने बढ़ाई शिविर की रौनकः महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पार्वती बैगा, कमला, जानकी, चंद्रवती एवं प्रेमवती की गोदभराई कराई गई। वहीं विद्या बैगा, रियांश, अभ्या सिंह एवं आदित्य का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों अभी, आदर्श गोंड, चाहत सिंह, मानसी एवं नरेन्द्र सिंह को यूनिफॉर्म वितरित कर प्रोत्साहित किया गया। इस शिविर में 429 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निराकरण कर ग्रामीणों को त्वरित राहत प्रदान की गई।

इटारसी-बैतूल हाईवे पर पलटा ट्रक, आधे घंटे तक लगा जामः ग्यारहमुखी हनुमान मंदिर से पास हादसा

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी-बैतूल नेशनल हाईवे-46 पर बुधवार को एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया हादसा बागदेव स्थित ग्यारहमुखी हनुमान मंदिर से करीब दो किलोमीटर दूर हुआ दुर्घटना के बाद हाईवे पर यातायात बाधित हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं जानकारी के अनुसार ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया, जिससे मार्ग का एक बड़ा हिस्सा अवरुद्ध हो गया। घटना के बाद हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई और वाहन चालकों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मार्ग पर करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा पुलिस ने संभाली व्यवस्था सूचना मिलते ही पथरोटा पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया पुलिस ने क्रेन और अन्य संसाधनों की मदद से पलटे हुए ट्रक को हटाने की कार्रवाई की। इसके बाद धीरे-धीरे वाहनों की आवाजाही सामान्य हो सकी।

वाहन चालकों को हुई परेशानीः जाम के कारण हाईवे पर सैकड़ों वाहन फंस गए। यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रक हटाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यातायात बहाल किया गया दुर्घटना के कारणों की जांच इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है मामले में अधिक जानकारी के लिए पथरोटा थाना प्रभारी मोनिका गौर से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

नर्मदापुरम में बन रहा एमपी का सबसे लंबा फोरलेन ब्रिज :तवा नदी के 1350 मीटर लंबे ब्रिज पर 140 गर्डर रखे; बारिश में नहीं रुकेगा काम

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम पिपरिया स्टेट हाईवे पर तवा नदी पर प्रदेश का सबसे लंबा फोरलेन ब्रिज बन रहा है ब्रिज 1 किमी 350 मीटर का है 149 करोड़ से बन रहा नया ब्रिज पुराने ब्रिज के मुकाबले 5 मीटर ऊंचा रहेगा तवा फोरलेन ब्रिज का काम तेजी से युद्ध स्तर पर चल रहा है। निर्माण कंपनी अब तक 41 स्पॉन (पियर) बना चुकी हैं। जिसमें 28 स्पॉन पर 140 गर्डर रखे जा चुके हैं 1350 मीटर लम्बे ब्रिज में 56 पियर पर 280 गर्डर रखे जाएंगे अगले साल मई 2027 तक ब्रिज तैयार होने की उम्मीद है शेष 15 पियर बनाने और गर्डर डालने का काम भी तेजी से जारी है। निर्माण कंपनी बारिश से पहले गर्डर डालने का कार्य पूरा करने की तैयारी में है। ताकि बारिश के दौरान नदी में पानी आने पर भी ब्रिज निर्माण का काम प्रभावित न हो पीडब्ल्यूडी सेतु निर्माण एसडीओ ऋषभ निरापुरे ने बताया तवा के नए ब्रिज का निर्माण 28 जुलाई 2024 को शुरू हुआ। 22 महीने में ब्रिज का काम तेजी से हुआ। 56 पियर में से 41पियर बन चुके है, 28 पियर पर गर्डर रखा चुकी है हमारी कोशिश है कि बारिश के पहले नदी के हिस्से में सभी पीयर खड़े करने की तैयारी है, ताकि मानसून के दौरान भी ब्रिज पर स्लैब डालने और अन्य कार्य होते रहे। तवा नदी पर बन रहा फोरलेन ब्रिज प्रदेश में बने फोरलेन ब्रिजों में सबसे लंबा होगा है। वीकेएस कंट्रक्शन ब्रिज को बना रहा है।

प्रदेश में दूसरे ब्रिज, पर लंबाई कमःप्रदेश में नर्मदा नदी, चंबल और दूसरी जगह पर ब्रिज बने है फोरलेन ब्रिज सबसे लंबा तवा नदी पर ही बन रहा है शिवपुरी में मड़ीखेड़ा बांध का पुल 2500 मीटर, सनावद बड़वाह में नर्मदा नदी पर बना फोरलेन ब्रिज की लम्बाई 1275 मीटर है मड़ीखेड़ा बांध पर बना है जबकि तवा नदी पर नदी वाला पुल है यह फायदे : पिपरिया, पचमढ़ी के लिए सफर आसान होगा मोहासा औद्योगिक क्षेत्र से रोड कनेक्टिविटी मजबूत होगी फोरलेन तवा ब्रिज 28 स्पान पर 140 गर्डर रखी जा चुकी है 149 करोड़ से लागत 1350मीटर लम्बा और 18 मीटर चौड़ा 56 पियर खड़े किए जाएंगे 41पियर में से 28 पियर पर 140 गर्डर रखी जा चुकी है।

कम गैस का सिलेंडर दिया,पार्षद की बाइक को टक्कर मारी :शिवपुरी में हॉकर को लोगों ने पकड़ा; थाने में हंगामा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर की तारकेश्वरी कॉलोनी में घरेलू गैस सिलेंडर में कम गैस मिलने पर विवाद हो गया। उपभोक्ता कैलाश सोनी के घर गैस एजेंसी का हॉकर सिलेंडर लेकर पहुंचा था तौल करने पर सिलेंडर में करीब 3 किलोग्राम गैस कम पाई गई जिसके बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया द्वसूचना मिलने पर पार्षद विजय शर्मा भी मौके पर पहुंचे। लोगों ने वाहन में रखे अन्य सिलेंडरों की भी तौल कराने की मांग की। इसी दौरान हॉकर अपना वाहन लेकर निकलने लगा और पार्षद विजय शर्मा की मोटरसाइकिल को टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया इसके बाद पार्षद विजय शर्मा और मोहित सोनी ने हॉकर का पीछा किया। उन्होंने नीलगर चौराहे के पास वाहन को रोक लिया और हॉकर सहित वाहन को देहात थाने ले आए हालांकि, थाने पहुंचने के बाद हॉकर एक बार फिर वाहन लेकर वहां से निकल गया बाद में पुलिस ने गैस एजेंसी से संपर्क किया और वाहन को दोबारा थाने बुलवाया इस दौरान थाने में कुछ देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही जिसके बाद मामला शांत हुआ और वाहन को जाने दिया गया हॉकर ने बताया कि उसे पहले भी एक सिलेंडर को लेकर शिकायत मिली थी वह उस सिलेंडर को उपभोक्ता के घर से बदलकर वापस लाया था हॉकर के अनुसार गलती से वही सिलेंडर कैलाश सोनी के यहां दे दिया गया, जिससे यह स्थिति बनी। फिलहाल, इस पूरे मामले की जांच की मांग की जा रही है।

युवाओं के सपनों को मिलेगी नई उड़ान, आईटीआई में प्रवेश का सुनहरा अवसर - 15 जून तक करें ऑनलाइन आवेदन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार के संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण, नवा रायपुर अटल नगर के अंतर्गत संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रोजगार और स्वरोजगार के क्षेत्र में बेहतर अवसर तलाशने वाले युवाओं के लिए यह सुनहरा अवसर है आईटीआई में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी 15 जून 2026, रात्रि 11.59 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और अभ्यर्थी [cgiti.admissions.nic.in] (httpÑ//cgiti.admissions.nic.in) पर जाकर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित आईटीआई संस्थानों - मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, खड़गवां और जनकपुर सहित अन्य केंद्रों में विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि आवेदन करने से पूर्व प्रवेश विवरणिका में दिए गए दिशा-निर्देशों और नियमों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ताकि आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि न हो प्रवेश से संबंधित विस्तृत जानकारी संबंधित आईटीआई संस्थानों के सूचना पटल पर उपलब्ध है। किसी भी प्रकार की सहायता या मार्गदर्शन के लिए अभ्यर्थी अपने निकटतम आईटीआई संस्थान में संपर्क कर सकते हैं संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण के अधिकारी ने युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और तकनीकी कौशल हासिल कर अपने भविष्य को सशक्त बनाएं जिससे वे रोजगार की मांग वाले क्षेत्रों में दक्ष बन सकें यह प्रवेश प्रक्रिया युवाओं को रोजगार की दिशा में कदम बढ़ाने और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम साबित होगी।

भीषण गर्मी के बीच आगजनी को लेकर अलर्ट, जिला प्रशासन ने नागरिकों से बरतने को कहा विशेष सावधानी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच आगजनी की घटनाओं की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन एवं अग्निशमन विभाग ने नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। जिला सेनानी नगर सेना एवं जिला अग्निशमन अधिकारी, कोरिया द्वारा जारी जन-जागरूकता संदेश में आम नागरिकों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, कार्यालयों और संस्थानों से आवश्यक अग्नि सुरक्षा उपाय अपनाने का आग्रह किया गया है अग्निशमन विभाग ने बताया है कि ग्रीष्म ऋतु के दौरान अत्यधिक तापमान तथा विद्युत उपकरणों के बढ़ते उपयोग के कारण आग लगने की घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में घरों एवं प्रतिष्ठानों में विद्युत वायरिंग तथा बिजली उपकरणों की नियमित जांच कराना आवश्यक है। उपयोग में नहीं आने वाले विद्युत उपकरणों को बंद रखें तथा ओवरलोडिंग से बचें, क्योंकि छोटी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है विभाग ने नागरिकों से रसोईघर में एलपीजी गैस का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। गैस रिसाव की स्थिति में तत्काल संबंधित एजेंसी को सूचना दें तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें वहीं व्यापारिक प्रतिष्ठानों कार्यालयों एवं संस्थानों में अग्निशमन यंत्रों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और कर्मचारियों को उनके उपयोग का प्रशिक्षण देने की सलाह दी गई है जिला अग्निशमन अधिकारी ने कहा है कि भवनों के निकास मार्ग एवं सीढ़ियों को हमेशा अवरोधमुक्त रखा जाए ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित निकासी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सतर्कता और जागरूकता से बड़ी अग्नि दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है जिला प्रशासन एवं अग्निशमन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी आपातकालीन स्थिति या आग लगने की घटना की जानकारी तत्काल अग्निशमन सेवा अथवा डायल-112 पर दें, ताकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया जा सके। प्रशासन ने कहा है कि जनसहभागिता और सावधानी ही आगजनी जैसी दुर्घटनाओं से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

कोलारस में 376 बोरी अवैध खाद बरामद : बोरियों पर लिखा था 'ऑर्गेनिक सब्स्टीट्यूट डीएपी' चालक ट्रक छोड़कर फरार

मीडिया ऑडीटर,शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलारस कस्बे में प्रशासन ने मां कैला देवी कोल्ड स्टोर परिसर से खाद से भरे एक ट्रक को जब्त किया है कार्रवाई के दौरान ट्रक से 376 बोरियां खाद बरामद हुईं मौके से चालक फरार हो गया जबकि हेल्पर को पकड़ लिया गया खाद की गुणवत्ता और वैधता को लेकर जांच शुरू कर दी गई है मुखबिर से सूचना मिलने पर कोलारस एसडीएम अनूप श्रीवास्तव और तहसीलदार प्रदीप भार्गव प्रशासनिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे टीम को देखकर ट्रक चालक फरार हो गया जबकि हेल्पर को पकड़ लिया गया। पूछताछ में हेल्पर ने बताया कि खाद से भरा ट्रक झाबुआ जिले के मेघनगर से लाया गया था 376 बोरियां खाद बरामद जांच के दौरान ट्रक के लगेज एरिया से 376 बोरियां खाद बरामद हुईं आशंका जताई जा रही है कि ट्रक का केवल आधा हिस्सा ही खाद से भरा था, जिससे संभावना है कि कुछ खाद पहले कहीं उतारी जा चुकी थी सूचना पर खाद विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे इसके बाद ट्रक को कोलारस थाने लाया गया जहां एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई बोरियों पर लिखा था ऑर्गेनिक सब्स्टीट्यूट डीएपी ट्रक में रखी बोरियों पर ऑर्गेनिक सब्स्टीट्यूट डीएपी लिखा हुआ है अधिकारियों को संदेह है कि यह डीएपी की वैकल्पिक किस्म हो सकती है या इसमें मिलावट की संभावना भी हो सकती है खाद के नमूने लेकर जांच के लिए भेज दिए गए हैं एसडीएम अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि सूचना के आधार पर ट्रक को जब्त किया गया है मौके पर ट्रक और उसमें भरी खाद की किसी भी व्यक्ति ने जिम्मेदारी नहीं ली ट्रक और खाद को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है मामले की आगे की जांच पुलिस और खाद विभाग संयुक्त रूप से कर रहे हैं।

खेत बचाओ अभियान' में जुटे 300 किसान, जैविक खेती को लेकर जागरूकता सम्मेलन आयोजित

रासायनिक खेती छोड़ जैविक खेती अपनाएं, यही भविष्य की खेती : स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जैविक खेती मिशन योजना के अंतर्गत 'खेत बचाओ अभियान' के तहत एक दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता एवं कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जिले भर से लगभग 300 किसानों ने भाग लेकर जैविक एवं प्राकृतिक खेती, उन्नत कृषि तकनीकों तथा मृदा संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, जनप्रतिनिधियों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को खेती की बदलती चुनौतियों और उनके समाधान से अवगत कराया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल थे। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगातार कम हो रही है, जिसका असर फसलों की गुणवत्ता के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करते हुए जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हों। उन्होंने कहा कि जैविक खेती केवल खेती की पद्धति नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आर्थिक समृद्धि का आधार है स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं उन्होंने किसानों से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ खेती करने का आग्रह किया कार्यक्रम में सहायक संचालक कृषि जयंत कुमार पैकरा ने जैविक खेती मिशन योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए इसके उद्देश्यों लाभों एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया पर प्रकाश डाला वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नीरज कुमार जायसवाल ने रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभाव तथा उनके जैविक विकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी उद्यानिकी महाविद्यालय चिरमिरी से आए वैज्ञानिक सुजीत कुमार राय एवं शुभम कुमार ठाकुर ने किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों, उन्नत फसल प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा उत्पादन बढ़ाने के प्रभावी उपायों की जानकारी प्रदान की।

महिला उत्पीड़न मामलों की सुनवाई 24 जून को, राज्य महिला आयोग सख्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। महिला उत्पीड़न से जुड़े लंबित मामलों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और कोरिया जिलों के प्रकरणों की संयुक्त सुनवाई 24 जून 2026 को आयोजित करने का निर्णय लिया है आयोग के सचिव द्वारा संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों को आधिकारिक पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं सुनवाई जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के अमृत सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे से होगी। इसमें महिला उत्पीड़न से जुड़े कुल 09 लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी। गंभीर और संवेदनशील मामलों के मद्देनजर आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक और सदस्य प्रियम्बदा सिंह जूदेव की गठित न्यायपीठ सुनवाई करेंगी।

पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे सभी आवेदिकाओं और अनावेदकों को नोटिस तामील कराएं और इसकी पावती आयोग को शीघ्र उपलब्ध कराएं ताकि सुनवाई में सभी पक्ष उपस्थित रहें सुनवाई के दौरान कानून-व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी, एक पुरुष और एक महिला आरक्षक ड्यूटी पर रहेंगे छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग अधिनियम की धारा 10(3) के तहत यह कदम उठाया गया है जिससे पीड़ित महिलाओं को स्थानीय स्तर पर त्वरित न्याय मिल सके। यह पहल महिला अधिकारों की सुरक्षा और संवेदनशील एवं प्रभावी हस्तक्षेप की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है ।

रायसेन में NH-45 पर धान से भरे ट्रक में आग 10 फीट ऊंची उठीं लपटें, बाल-बाल बची जान, हाईवे पर लगा जाम

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-45 पर नागिन मोड़ के पास मंगलवार रात एक धान से भरे ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते उसने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धान लदा होने के कारण आग ने तेजी से जोर पकड़ लिया। करीब 10 मिनट तक आग की 10 फीट ऊंची लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं। स्थानीय लोगों ने पहले अपने स्तर पर पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग बेकाबू हो चुकी थी।

फायर ब्रिगेड ने पाया काबू, शार्ट सर्किट की आशंका: सूचना मिलते ही बाड़ी पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक ट्रक और उसमें भरा धान पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। गनीमत यह रही कि इस भयानक हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस के अनुसार, आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

हाईवे पर लगा लंबा जाम, पुलिस ने बहाल कराया यातायात: धू-धू कर जलते ट्रक के कारण सुरक्षा की दृष्टि से हाईवे पर यातायात को कुछ समय के लिए रोक दिया गया था, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। आग पूरी तरह बुझने के बाद पुलिस ने जले हुए ट्रक को सड़क के किनारे करवाया और आवागमन को फिर से सुचारु कराया। पुलिस अब इस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

मंदसौर में महू-नीमच हाईवे पर बाइक डिवाइडर से टकराई महिला की मौत, पति गंभीर घायल, मजदूरी कर घर लौट रहा था दंपती

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के पिपलियामंडी स्थित महू-नीमच हाईवे पर मंगलवार को सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों जावद क्षेत्र से मजदूरी कर अपने गांव लौट रहे थे।

बाइक डिवाइडर से टकराई: जानकारी के अनुसार, झाबुआ जिले की पेटलावद तहसील के भूराली निवासी रामसिंह (लगभग 35 वर्ष) अपनी पत्नी के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पिपलियामंडी के पास महू-नीमच हाईवे पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में रामसिंह की पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल रामसिंह को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया।

जिला अस्पताल रेफर किया: पिपलियामंडी में प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में जांच के दौरान उसके शरीर और चेहरे पर गंभीर चोटें पाई गईं। ठोड़ी का निचला हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। फिलहाल रामसिंह का इलाज जारी है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

खंड मुख्यालयों पर तीन दिवसीय लोक कल्याण शिविरों की तिथियां घोषित

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। आम नागरिकों की मूलभूत व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों पर तीन दिवसीय लोक कल्याण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर नागरिकों की शिकायतों, आवेदनों तथा जनहित से जुड़े मामलों का मौके पर समाधान सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ओ.पी. सनोडिया ने लोक कल्याण शिविरों के आयोजन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिविर प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक संचालित किए जाएंगे। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करना है। बैठक में बताया गया कि शिविरों के दौरान राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत, कृषि, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य विभागों से संबंधित आवेदनों पर सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लंबित प्रकरणों के निराकरण, पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने तथा जनहित के कार्यों में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

शिविरों की निर्धारित तिथियां कुरवाई, सिरोंज एवं ग्यारसपुर विकासखंड - 12 से 14 जून तक स्थानीय आजीविका भवन में। लटेरी विकासखंड - 13 से 15 जून तक सब्जी मंडी परिसर में। नटेरन विकासखंड - जनपद पंचायत सभागार में 15 से 18 जून तक। बासौदा विकासखंड - मानस भवन में 16 से 18 जून तक। विदिशा विकासखंड - रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम में 16 से 18 जून तक। बैठक में लोक कल्याण शिविरों की मंशा, उद्देश्य तथा विभागवार संपादित किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी भी साझा की गई।

नर्मदापुरम में कार से 16 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त

भोपाल से 70 हजार की शराब लेकर पहुंचे तस्कर को पुलिस ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में नर्मदा नदी के प्रतिबंधित क्षेत्र में शराब की तस्करी का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने मंगलवार रात बीटीआई नर्मदा मंदिर रोड पर कार्रवाई करते हुए एक कार से 16 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह भोपाल से शराब लेकर नर्मदापुरम बेचने के लिए आया था। पुलिस ने शराब के साथ कार भी जब्त कर ली है।

मुखबिर की सूचना पर की कार्रवाई: कोतवाली थाना पुलिस को मंगलवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक MP 04 ZS 8355 में एक व्यक्ति अवैध शराब लेकर बीटीआई नर्मदा मंदिर क्षेत्र की ओर आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और बताए गए स्थान पर पहुंचकर वाहन की घेराबंदी की।

कार रोककर ली तलाशी: पुलिस टीम ने संदिग्ध कार को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की डिक्की में बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब रखी मिली। पुलिस को कार से 10 पेटी ऑफिसर्स च्वाइस अंग्रेजी शराब और 6 पेटी गोआ ब्रांड की अंग्रेजी शराब (180 एमएल) बरामद हुई। कुल 16 पेटी शराब की अनुमानित कीमत करीब 70 हजार रुपए बताई गई है।

आरोपी को मौके से किया गिरफ्तार: कार चला रहे युवक की पहचान गणेश सिंह रघुवंशी के रूप में हुई। वह मूल रूप से पटेल नगर, शहडोल का निवासी है और वर्तमान में भोपाल के कौशल्या नगर, अवधपुरी क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

भोपाल से बेचने के लिए लाई गई थी शराब: पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह भोपाल से शराब लेकर नर्मदापुरम आया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शराब शहर में बेचने के उद्देश्य से लाई जा रही थी।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी किन लोगों को शराब की सप्लाई करने वाला था और उसके नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

नर्मदा किनारे शराब बिक्री पर है प्रतिबंध: गौरतलब है कि नर्मदापुरम में नर्मदा नदी से पांच किलोमीटर के दायरे में शराब की बिक्री, खरीद और सेवन पर प्रतिबंध लागू है। इसी कारण शहर की सीमा के भीतर कोई अधिकृत शराब दुकान संचालित नहीं होती। सभी वैध शराब दुकानें शहर से बाहर निर्धारित दूरी पर संचालित की जाती हैं।

प्रतिबंध के बावजूद जारी है अवैध कारोबार: प्रतिबंध के बावजूद शहर में अवैध रूप से शराब पहुंचाने और बेचने का कारोबार लगातार सामने आता रहा है। स्थानीय स्तर पर शराब माफिया विभिन्न माध्यमों से शराब लाकर अलग-अलग क्षेत्रों में बिक्री करते हैं। ऐसे मामलों को लेकर आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठते रहे हैं। हालांकि पुलिस समय-समय पर कार्रवाई कर अवैध शराब कारोबार पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस टीम ने निभाई अहम भूमिका

इस कार्रवाई में एसआई विशाल नागवे, प्रधान आरक्षक विनोद लिखितकर, प्रधान आरक्षक रितेश यदुवंशी, आरक्षक पंकेश बघेला, गजेन्द्र डडोरे और धर्मेन्द्र परिहार शामिल रहे। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और शराब सहित कार को जब्त कर लिया।

आगे की जांच जारी: पुलिस अब जब्त शराब के स्रोत, उसकी खरीद-बिक्री के नेटवर्क और संभावित ग्राहकों के बारे में जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी रहेगी।

स्विफ्ट डिजायर से 3 लाख की 20 पेटी शराब जब्त

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत ईशानगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 180 लीटर अवैध शराब से भरी एक कार जब्त की और मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया। मामले में एक अन्य फरार आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देश पर जिलेभर में अवैध मादक पदार्थों के संग्रह, विक्रय और परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना ईशानगर पुलिस को अवैध शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पहाड़गांव तिराहा के पास नौगांव रोड पर घेराबंदी की। नौगांव की ओर से आ रही एक संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार को रोका गया। तलाशी लेने पर कार के अंदर से 20 पेटी अवैध शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 180 लीटर है। पुलिस ने शराब के साथ तस्करी में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार को भी जब्त कर लिया। जब्त शराब और वाहन की कुल कीमत लगभग 3 लाख रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी राहुल राजा परमार, पिता अनंत पाल सिंह परमार, निवासी ग्राम कांटी, थाना गुलगंज, जिला छतरपुर को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ थाना ईशानगर में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, राहुल राजा परमार पहले भी अवैध शराब से जुड़े मामलों में शामिल रहा है। पूछताछ के दौरान पुलिस को शराब के स्रोत और तस्करी नेटवर्क से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी मिली है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि मामले में फरार अन्य आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है ताकि अवैध शराब कारोबार में शामिल अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके। इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले और एसडीओपी बिजावर अजय रिठौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक मनोज गोयल सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नाला निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत पूर्ण

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। नगर पालिका परिषद सिरोंज द्वारा जानकारी दी गई है कि नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 8 एवं 10 में नाला निर्माण कार्य हेतु की जा रही खुदाई के दौरान पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। उस समय दोनों वार्डों में नियमित पेयजल आपूर्ति जारी थी। पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने के कारण बाहरी दूषित जल पाइपलाइन के भीतर प्रवेश कर गया, जिससे कुछ स्थानों पर नलों से गंदा पानी आने की शिकायतें प्राप्त हुईं। सूचना मिलते ही नगर पालिका प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित क्षेत्र की पेयजल सप्लाई बंद करवाई तथा वार्डों में मुनादी कराकर नागरिकों को सतर्क किया गया। लोगों से अपील की गई कि पाइपलाइन की मरम्मत पूर्ण होने तक नल के पानी का उपयोग किसी भी प्रकार से न करें। नागरिकों को पेयजल संबंधी असुविधा न हो, इसके लिए नगर पालिका द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर कराया गया, जिसे अब पूर्ण कर लिया गया है। नगर पालिका ने बताया कि वर्तमान में पाइपलाइन के माध्यम से पुनः जलापूर्ति प्रारंभ कर दी गई है।

इटारसी-बैतूल हाईवे पर पलटा ट्रकः आधे घंटे तक लगा जाम, वाहनों की लंबी कतारें लगीं

मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)। बुधवार को इटारसी-बैतूल नेशनल हाईवे-46 पर एक बड़ा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। यह घटना बागदेव स्थित ग्यारहमुखी हनुमान मंदिर से करीब दो किलोमीटर दूर हुई। हादसे के कारण हाईवे पर लगभग आधे घंटे तक यातायात बाधित रहा, जिससे दोनों ओर सैकड़ों वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जानकारी के अनुसार, ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया, जिससे मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पथरोटा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था को संभालने का प्रयास किया। 1 घंटे से जाम लगा हुआ है। पुलिस ने क्रेन और अन्य आवश्यक संसाधनों की मदद से पलटे हुए ट्रक को हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस प्रक्रिया के बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका। हादसे के कारण लगे लंबे जाम से यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस संबंध में पथरोटा थाना प्रभारी मोनिका गौर से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल रिसीव नहीं हो सका।

जुआ फड़ पर पुलिस की दबिश, 9 जुआरी पकड़ाए

स्ट्रीट लाइट की रोशनी में ताश के पत्तों से लगा रहे थे हार-जीत का दाव

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर में मोतीनगर थाना पुलिस ने जुआ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक जुआ फड़ पर दबिश दी और मौके से 9 जुआरियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से नकद 17 हजार 900 रुपए और ताश की चार गड्डियां बरामद की गई हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मुखबिर की सूचना पर बनी कार्रवाई की योजना: पुलिस के अनुसार मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मरघटा के पास स्थित स्वीपर कॉलोनी, भगतसिंह वार्ड क्षेत्र में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं और हार-जीत पर रुपए का दांव लगा रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए मोतीनगर थाना पुलिस ने तत्काल एक टीम गठित की और मौके पर रवाना किया।

स्ट्रीट लाइट की रोशनी में चल रहा था जुआ: पुलिस टीम जब बताए गए स्थान पर पहुंची तो देखा कि कुछ लोग स्ट्रीट लाइट की रोशनी में बैठकर ताश के पत्तों पर रुपए का दांव लगाकर जुआ खेल रहे थे।

इसके बाद पुलिस ने चारों ओर से घेराबंदी कर जुआ फड़ पर दबिश दी।

पुलिस को देखकर मची भगदड़: अचानक पुलिस की कार्रवाई होते ही मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। कई लोगों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए 9 लोगों को मौके से पकड़ लिया। इसके बाद सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने लाया गया।

नकदी और ताश की गड्डियां बरामद: तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 17 हजार 900 रुपए नकद और ताश के चार पैकेट बरामद किए। बरामद सामग्री को जब्त कर पंचनामा तैयार किया गया और आगे की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान विपिन साहू निवासी मछरयाई, शहबाज अली निवासी लाजपतपुरा, उमेश कोष्ठी निवासी सूबेदार वार्ड, प्रदीप यादव निवासी कृष्णगंज वार्ड, संदीप रजक निवासी शनिचरी, सोमेश ठाकुर निवासी सिरोंजा, राकेश गुप्ता निवासी दुर्गानगर, प्रिंस चौबे निवासी रिमझिरिया तथा संस्कार दुबे निवासी शिवाजी वार्ड को गिरफ्तार किया।

जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज: मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 9 लोगों को जुआ खेलते हुए पकड़ा गया है। आरोपियों के कब्जे से नकदी और ताश के पत्ते बरामद किए गए हैं। सभी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

जिला पंचायत सीईओ ने की जनकल्याण शिविरों की तैयारियों की समीक्षा

अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव ने बैठक आयोजित कर जनकल्याण अभियान के अंतर्गत जिले में 12, 15 और 16 जून को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय जनकल्याण शिविरों की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में शिविरों के सफल संचालन, विभागीय समन्वय तथा पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। सीईओ यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनकल्याण शिविरों में अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाए तथा योजनाओं के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए प्रभावी प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित किया जाए। बैठक में शिविरों के स्थान निर्धारण, विभागवार व्यवस्थाओं, सूचना एवं सहायता केंद्रों की स्थापना तथा प्राप्त होने वाले आवेदनों के त्वरित निराकरण सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। सीईओ यादव ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शिविरों को जनहितकारी एवं परिणाममूलक बनाने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

12 जून से शुरू होगी वलसाड-लालकुआं के बीच स्पेशल ट्रेन

रतलाम में रहेगा स्टॉपेज; छुट्टियों में मथुरा जाने वाले यात्रियों को मिलेगी सुविधा

मीडिया ऑडीटर,रतलाम, (निप्र)। समर वेकेशन के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने वलसाड और लालकुआं के बीच विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 12 जून से 10 जुलाई 2026 तक संचालित की जाएगी। ट्रेन का रतलाम जंक्शन पर भी ठहराव रहेगा, जिससे रतलाम और आसपास के यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा मिल सकेगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेनः रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने यह विशेष ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। इससे यात्रियों को आरक्षण और यात्रा में राहत मिलने की उम्मीद है।

वलसाड से प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी ट्रेनः ट्रेन संख्या 05343 वलसाड-लालकुआं स्पेशल 12 जून से 10 जुलाई 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को वलसाड से दोपहर 3:25 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन रात 10:45 बजे रतलाम जंक्शन पहुंचेगी और 10 मिनट के ठहराव के बाद रात 10:55 बजे आगे के लिए रवाना होगी। ट्रेन अगले दिन शाम 5:45 बजे लालकुआं पहुंचेगी।

लालकुआं से प्रत्येक गुरुवार को होगी वापसीः ट्रेन संख्या 05344 लालकुआं-वलसाड स्पेशल 11 जून से 9 जुलाई 2026 तक प्रत्येक गुरुवार को सुबह 9 बजे लालकुआं से रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन तड़के 3:50 बजे रतलाम जंक्शन पहुंचेगी और 4 बजे यहां से आगे रवाना होगी। ट्रेन दोपहर 12 बजे वलसाड पहुंचेगी।

इन प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा ठहरावः यह विशेष ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, छायापुरी, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, भरतपुर, मथुरा, मथुरा कैंट, कासगंज, बदायूं और बरेली सिटी सहित कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रुकेगी।

इससे गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तराखंड के यात्रियों को सीधा रेल संपर्क मिलेगा।

सभी प्रमुख श्रेणियों के कोच उपलब्धः रेलवे द्वारा संचालित इस स्पेशल ट्रेन में यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न श्रेणियों के कोच लगाए जाएंगे। ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, एसी 3-टियर इकोनॉमी, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच उपलब्ध रहेंगे।

रतलाम के यात्रियों को मिलेगा लाभ

रतलाम जंक्शन पर ठहराव होने से जिले और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को सीधे इस ट्रेन का लाभ मिलेगा। रेलवे का मानना है कि छुट्टियों के दौरान लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह विशेष ट्रेन एक अतिरिक्त और सुविधाजनक विकल्प साबित होगी।

धोनी को इस कारण नहीं मिल पाया टी20 में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड

मुम्बई एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम कई रिकार्ड है। धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पहला टी20 खिताब जीत था। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,000 से अधिक रन है पर प्रशंसकों को ये जानकर हैरानी होगी कि इसके बाद भी धोनी को अपने करियर के दौरान टी20 प्रारुप में एक बार भी मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला। इसका कारण ये रहा कि धोनी ने हमेशा ही टीम की जीत को निजी उपलब्धियों से अधिक महत्व दिया और उसी अनुसार फैसले लिए। साल 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद धोनी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा ओर वह सबसे अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाज और मैच फिनिशर के तौर पर उभरे। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से कुल 538 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 44.96 के बेहतरीन औसत से 17,266 रन बनाए। इसमें 16 शतक और 108 अर्धशतक शामिल हैं।

98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के अपने करियर में धोनी ने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। इस दौरान कई बार उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भारतीय टीम को कठिन हालातों से निकाकर जीत दिलायी हालांकि इसके बाद भी उन्हें एक बार भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण ये है कि टी20 क्रिकेट में धोनी अधिकतर नंबर 5, 6 या 7 पर बल्लेबाजी करने आते थे, जहां उन्हें आमतौर पर 10 से 15 गेंदें ही खेलने को मिलती थीं। ऐसी स्थिति में भले ही धोनी ने कई बार छोटी, तेज और मैच विजेता पारियां खेलीं है पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड आमतौर पर ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पास चला जाता है। वहीं सबसे बड़ा कारण ये रहा है कि धोनी ने हमेशा ही अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों की जगह पर टीम की जीत को महत्व दिया है। इसी कारण कई अवसरों पर उन्होंने अपनी जगह युवा बल्लेबाजों को खेलने के लिए ऊपरी क्रम में भेजा है। इससे धोनी ने साबित किया है कि एक कप्तान के तौर पर उनके लिए टीम को खिताबी जीत दिलाना व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक आगे है 1

अवॉर्ड भले ही उन्हें नहीं मिला पर एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप में उन्हें कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है। एकदिवीसय क्रिकेट में धोनी को रिकॉर्ड 21 बार जबकि टेस्ट क्रिकेट में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। उन्होंने इसके अलाव इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताबी जीत दिलाने के दौरान धोनी को कई बार अवार्ड मिला है।

अभिमन्यु मिथुन हैं: भारतीय घरेलू क्रिकेट के अद्वितीय रिकॉर्डधारी

मुम्बई एजेंसी। क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम घरेलू क्रिकेट में उनके नाम एक ऐसा अद्वितीय रिकॉर्ड दर्ज है, जो किसी अन्य भारतीय खिलाड़ी के पास नहीं है। वह घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रमुख प्रारूपों - रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। मिथुन ने अपनी तेज गेंदबाजी से विभिन्न टीमों के खिलाफ यह कमाल किया है। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने उत्तर प्रदेश के विरुद्ध, विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के सामने यह उपलब्धि हासिल की। यह दर्शाता है कि उनकी निरंतरता और विकेट लेने की क्षमता विभिन्न प्रारूपों में कितनी प्रभावी रही। उनका यह अनूठा रिकॉर्ड उनकी प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है, जिसने उन्हें घरेलू क्रिकेट में एक विशिष्ट स्थान दिलाया।

भारतीय टीम के लिए हालांकि उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले। अभिमन्यु मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवसीय मैच खेले, जिनमें उन्होंने कुल 12 विकेट अपने नाम किए। उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण 2010 में हुआ था, जहां उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ गाले में अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट झटके थे। उसी साल उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय क्रिकेट में भी कदम रखा। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ था, जिसके बाद उनका भारतीय टीम का सफर थम गया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सीमित अवसरों के बावजूद, अभिमन्यु का घरेलू करियर शानदार रहा। उन्होंने कर्नाटक के लिए 300 से अधिक फर्स्ट क्लास विकेट लिए, जो उनकी लंबी और प्रभावी करियर का प्रमाण है। इसके अलावा, उनके नाम टी20 क्रिकेट में एक ओवर में 5 विकेट लेने का असाधारण रिकॉर्ड भी दर्ज है। यह कारनामा उन्होंने 2019 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में हरियाणा के खिलाफ किया था। उस मैच में उन्होंने पारी के अंतिम ओवर की पहली चार गेंदों पर लगातार चार विकेट लिए और अंतिम गेंद पर पांचवां विकेट लेकर अपनी टीम कर्नाटक को जीत दिलाई।

ऋतुराज के शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को हराया

दांबुला एजेंसी। ऋतुराज गायकवाड़ के शानदार शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में 8 रनों से हरा दिय। इस मैच में ऋतुराज के शतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका ए को जीत के लिए 278 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में श्रीलंका ए टीम 269 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 8 रनों से मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका की ओर से सबसे अधिक 74 रन साहन अराचिगे ने बनाये। । 48वें ओवर में अंशुल कांबोज ने सहान अराचिगे को पेवेलियन भेज दिया। . उस समय श्रीलंका ए को जीत के लिए केवल 10 गेंदों में 9 रन चाहिए थे और उसके पास तीन विकेट थे पर इसके बाद उसके बल्लेबाज टिक नहीं पाये। वानुजा सहान 23 रन बनाकर रनआउट हो गए। वहीं . मोहम्मद शिराज खाता खोले बिना आउट हुए और श्रीलंका ए की पूरी टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर आउट हो गयी। भारत ए की ओर से से अरशद खान, अनुकूल रॉय, आयुष बदोनी, वपराज निगल ने दो-दो विकेट लिए।

फीफा विश्वकप से इन खिलाड़ियों को भी मिल सकती है नई पहचान

सेन डियागो एजेंसी। अमेरिका कनाडा और मैक्सिकों में गुरुवार से शुरु हो रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल टूर्नामेंट में लियोनन मेसी, क्रिस्टीयोनो रोनाल्डो और कैलियन एमबापे जैसे खिलाड़ियों के बीच ही ये पांच उभरते फुटबॉलर भी स्टार खिलाड़ी के तौर पर विश्व पटल पर अपनी पहचान बना सकते हैं। ऐसे में विश्वकप में किये प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों को दुनिया भर में पहचान मिलने के साथ ही इनकी ब्रांड वैल्यू में भी बदलाव आ सकता है।

एंड्रिक (ब्राजील, उम्र 19) :

एंड्रिक ब्राजील के उभरते स्टार फुटबॉलर हैं। विश्व कप उन्हें दक्षिण अमेरिका से बाहर भी घर-घर में पहचाना जाने वाला नाम बनने का मौका देता है।

लैमिन यमल (स्पेन, उम्र 18) :

यम स्पेनिश फुटबॉल के प्रतिभाशाली सितारों में से एक हैं। एक शानदार विश्व कप उन्हें 'बैलन डी 'ओर की चर्चा में तेजी से आगे ला सकता है। इतने कम उम्र के खिलाड़ी के लिए यह किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है।

वॉरेन जायर-एमरी (फ्रांस, उम्र 20) :

फ्रांस का अगला मिडफ़ील्ड लीडर, जो ऐसे टूर्नामेंट में आ रहा है जहां जगह बनाने के लिए मुकाबला पहले से कहीं ज़्यादा कठि है।

फ्रेंको मास्टंटुओनो (अर्जेंटीना, उम्र 18) :

फ्रेंकोटूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक और अर्जेंटीना के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल हैं।

सैंटियागो जिमेनेज (मेक्सिको, उम्र 25) :

सैंटियागो मेजबान देश मेक्सिको की टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं, और इस विश्वकप से उनके पास मैक्सिकन फुटबॉल का सितारा बनने का अवसर है। इसका कारण कहै कि विश्व में कुछ ही सप्ताफ के अच्छे प्रदर्शन से फुटबॉल खिलाड़ियों का करियर बदल जाता है। ऐसे में इस फीफा विश्वप से 2026 इनके पास भी बेहतर प्रदर्शन कर स्टार बनने का अवसर है।

जोहान बोथा का क्वींसलैंड बुल्स टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा

ब्रिस्बेन एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर जोहान बोथा ने ऑस्ट्रेलियाई क्वींसलैंड बुल्स टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। बोथा दक्षिण अफ्रीका की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान रहे हैं। कोच के तौर पर बोथा का कार्यकाल एक साल और बचा था पर उन्होंने अचानक ही पद छोड़ दिया। क्वींसलैंड क्रिकेट ने कहा है कि उसने कोच के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। वहीं माना जा रहा है ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को नया कोच बनाया जा सकता है। पेन कोच पद के सबसे बड़े दावेदार हैं।

44 साल बोथा ने साल 2024-25 सत्र से पहले क्वींसलैंड टीम का कोच पद संभाला था। उनके नेतृत्व में क्वींसलैंड बुल्स ने पहले ही सत्र में शेफील्ड शील्ड के फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं टीम शेफील्ड शील्ड और एकदिवसीय कप दोनों प्रतियोगिताओं में तीसरे स्थान पर रही।

वह ब्रिस्बेन हीट को भी कोचिंग देते थे हालांकि ब्रिस्बेन हीट के साथ बोथा का कार्यकाल उतना सफल नहीं रहा। उनके नेतृत्व में टीम लगातार दो बिग बैश लीग (बीबीएल) सत्र में पांचवें और सातवें स्थान पर रही।

वहीं क्वींसलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टेरी स्वेन्सन ने कोच के तौर पर बोथा के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि भले ही टीम अपने सभी लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पाई, लेकिन बोथा ने क्वींसलैंड और ब्रिस्बेन हीट के युवा खिलाड़ियों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। साथ ही कहा कि हम उनके और उनके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हैं। वहीं माना जा रहा है कि बोथा का इस्तीफा ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट में कोचिंग स्तर पर हो रहे बड़े बदलावों की योजना का हिस्सा है। इससे पहले न्यू साउथ वेल्स और सिडनी सिक्सर्स ने भी अपने कोच बदले थे, जबकि सिडनी थंडर ने ट्रेवर बेलिस की जगह इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ को नया कोच बनाया था।

टिम पेन बन सकते हैं नये कोच

ईसीबी ने भारत-इंग्लैंड सीरीज के पहले तीन टी20 मैचों का समय बदला

अब एक घंटे पहले 11 बजे से शुरु होंगे ये मुकाबले

लंदन एजेंसी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारतीय टीम के खिलाफ अगले माह जुलाई महीने में खेली जाने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए समय में बदलाव किया है। ईसीबी के अनुसार सीरीज के पहले तीन मुकाबले अब एक घंटा पहले शुरू होंगेहै। अब ये मैच इंग्लैंड के स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे की जगह 5:30 बजे शुरू होंगे। वहीं यानी भारतीय समयानुसार मुकाबले अब रात 11:00 बजे शुरू होंगे। यह बदलाव भारतीय दर्शकों की सुविधा के लिए किया है।

ईसीबी के अनुसार ये फैसला भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई), मेजबान स्टेडियमों और प्रसारण साझेदारों से बातचीत के बाद लिया गया है। सभी पक्षों का मानना था कि समय में बदलाव से भारतीय दर्शकों के लिए मैच देखना अधिक सुविधाजनक होगा। पहले इन मैचों के देर रात 12 बजे शुरू होकर सुबह करीब 3 बजे तक चलने की संभावना थी, लेकिन अब वे रात 11 बजे शुरू होकर लगभग 2 बजे समाप्त हो जाएंगे, जिससे भारतीय प्रशंसकों को रात भर जागने की समस्या से कुछ राहत मिलेगी।

वहीं अन्य मैचों के समय में बदलाव नहीं किया गया है। 4 जुलाई को ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाला दूसरा टी20 और 11 जुलाई को एजियस बाउल में खेला जाने वाला पांचवां टी20 अपने तय समय दोपहर 2:30 बजे स्थानीय समय (भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे) पर ही शुरू होगा।

ईसीबी के इस फैसले से एक बार फिर वैश्विक क्रिकेट में भारतीय बाजार के असाधारण प्रभाव का अंदाज होता है। इसका कारण है कि भारत से मिलने वाली भारी टीवी व्यूअरशिप और प्रसारण राजस्व को देखते हुए ही ईसीबी लंबे समय से भारतीय दौरों को अपनी सबसे मूल्यवान क्रिकेट संपत्तियों में से एक मानता है। इस सफेद गेंद की सीरीज को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है और अधिकांश मुकाबलों के टिकट पहले ही बिक चुके हैं।

महिला टी20 विश्व कप: ये 5 गेंदबाज कर सकती हैं दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप के 10वें संस्करण का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाना है। आइए आपको उन पांच गेंदबाजों के नाम बताते हैं, जो इस मेगा इवेंट में अपनी टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं। एनाबेल सदरलैंडः भले ही सरदलैंड को ऑस्ट्रेलिया की ओर से ज्यादा कामयाबी टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में मिली हो, लेकिन वह क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भी कारगर साबित हुई है। सदरलैंड का प्रदर्शन पिछले टी20 विश्व कप में कमाल का रहा था। उन्होंने टूर्नामेंट में 15 विकेट चटकाए थे और वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रही थीं। 26 वर्षीय तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेले 85 टी20 मुकाबलों में 53 विकेट निकाल चुकी हैं, जबकि वह बल्ले से भी अहम योगदान दे सकती हैं। चार्ली डीनः इंग्लैंड की स्पिन गेंदबाज चार्ली डीन अपनी घूमती गेंदों से बल्लेबाजों को खासा तंग कर सकती हैं। डीन इंग्लैंड की ओर से खेले 51 टी20 मुकाबलों में 67 विकेट निकाल चुकी हैं। इस दौरान उनका इकोनॉमी 6.90 का रहा है। विकेट निकालने के साथ-साथ डीन रनों पर अंकुश लगाने के लिए भी जानी जाती हैं। यही वजह है कि इस विश्व कप में उनका प्रदर्शन इंग्लैंड के लिए काफी मायने रखेगा।

दीप्ति शर्माः भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा बड़े मुकाबलों की खिलाड़ी हैं और अहम मैचों में वह दमदार प्रदर्शन करने की काबिलियत रखती हैं। 144 टी20 मुकाबलों के अपने करियर में वह 64 विकेट निकाल चुकी हैं। दीप्ति बीच के ओवरों में साझेदारी तोड़ने का हुनर बखूबी जानती हैं। दीप्ति अपनी गेंदबाजी से किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखती हैं।

एशियन गेम्स 2026 के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान, साहिबजादा फरहान को सौंपी गई कप्तानी

नई दिल्ली एजेंसी। पाकिस्तान ने जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। साहिबजादा फरहान को इस टूर्नामेंट के लिए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, अब्दुल समद को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 15 सदस्यों वाली टीम में चार खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक पाकिस्तान के लिए टी20 इंटरनेशनल में एक भी मुकाबला नहीं खेला है। ये खिलाड़ी आकिफ जावेद, अली रजा, माज सदाकत और साद मसूद हैं। पाकिस्तान की ओर से 46 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके फरहान ने अब तक किसी भी सफेद गेंद के फॉर्मेट में टीम की कप्तानी नहीं की है। वहीं, अब्दुल समद ने पाकिस्तान की तरफ से सिर्फ 5 टी20 मुकाबले खेले हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में वह टीम का हिस्सा रहे थे। एशियन गेम्स के लिए चुनी गई पाकिस्तान की टीम टी20 विश्व कप 2026 से काफी अलग है। उस्मान खान को विकेटकीपर के तौर पर टीम में रखा गया है। शाहिन शाह अफरीदी, बाबर आजम, शादाब खान और सलमान आगा को इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह नहीं दी गई है।

एशियन गेम्स के लिए चुने गए 15 खिलाड़ियों में से 14 प्लेयर्स वो हैं, जो 15 जून से लाहौर में शुरू होने वाले एनसीए व्हाइट बॉल कैंप का हिस्सा होंगे। एशियन गेम्स में मेंस क्रिकेट का आगाज 24 सितंबर से होगा, जबकि मेडल मैचों की शुरुआत 3 अक्टूबर से होगी।

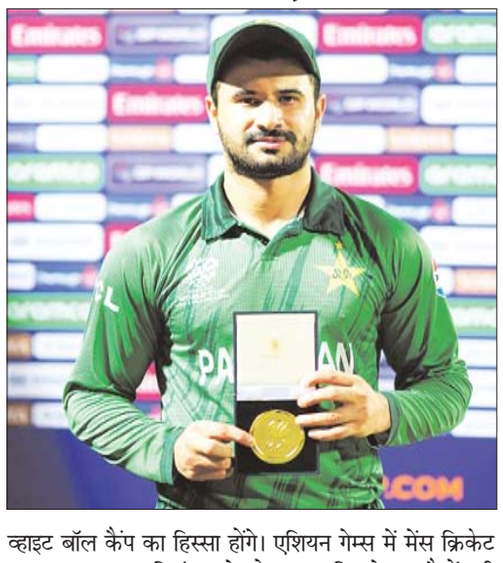

समान नागरिक संहिता पर जिले में हुआ जनपरामर्श संवाद

विभिन्न वर्गों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव, जनभावनाओं और सुझावों के आधार पर तैयार होगी व्यापक अनुशंसा-नायर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) के संभावित क्रियान्वयन के संबंध में नागरिकों के सुझाव एवं विचार प्राप्त करने के उद्देश्य से जिला पंचायत सतना में जन-परामर्श की बैठक आयोजित की गई उच्च स्तरीय समिति के सदस्य अनूप नायर की उपस्थिति में आयोजित इस बैठक में सतना और मैहर जिले जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों शांति समिति के सदस्यों प्रबुद्ध नागरिकों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक के दौरान समान नागरिक संहिता के विभिन्न महत्वपूर्ण प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें विवाह, विवाह विच्छेद एवं भरण-पोषण, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण तथा लिव-इन रिलेशनशिप जैसे विषय प्रमुख रूप से शामिल रहे। उपस्थित प्रतिभागियों ने अपने अनुभवों, सुझावों और शंकाओं को खुलकर साझा किया तथा विषय के सामाजिक, कानूनी एवं व्यावहारिक पहलुओं पर महत्वपूर्ण विचार रखे। प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि किसी भी नए कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए व्यापक जन-जागरूकता आवश्यक है। साथ ही समाज के सभी वर्गों के साथ निरंतर संवाद स्थापित कर उनकी भावनाओं और अपेक्षाओं को समझना भी जरूरी है। कई वक्ताओं ने कानूनी प्रक्रियाओं को सरल एवं सुगम बनाने तथा आम नागरिकों तक सही जानकारी पहुंचाने पर विशेष बल दिया उच्च स्तरीय समिति के सदस्य अनूप नायर ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन एवं परीक्षण के लिए समिति का गठन किया गया है। समिति का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों, समुदायों और हितधारकों के सुझाव एवं विचार प्राप्त कर एक समग्र एवं संतुलित दृष्टिकोण विकसित करना है उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान के नीति निदेशक तत्वों के अंतर्गत अनुच्छेद-44 में समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया गया है तथा इसी संदर्भ में प्रदेशभर में जन-परामर्श की प्रक्रिया संचालित की जा रही है उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने सुझाव एवं विचार अधिक से अधिक संख्या में साझा करें। बैठक में प्राप्त सुझावों को संकलित कर समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे भविष्य की कार्यवाही में जनभावनाओं और सामाजिक अपेक्षाओं का समुचित समावेश सुनिश्चित किया जा सके उन्होंने बताया कि वे अपने सुझाव एवं विचार ऑनलाइन माध्यम से भी दर्ज करा सकते हैं इसके लिए राज्य शासन द्वारा विकसित पोर्टल नबबण्उचण्हवअण्पद पर उपलब्ध है जहां आमजन अपनी राय प्रस्तुत कर सकते हैं इस जनपरामर्श बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश शासन की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, महापौर सतना योगेश ताम्रकार, स्पीकर राजेश चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, जिला पंचायत सदस्य ज्ञानेन्द्र सिंह, श्रीधर उरमलिया, हरीशकांत त्रिपाठी, एकता सिंह, बार कौसिंल के अध्यक्ष बद्री विशाल पाठक, विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि, नगर निगम के पार्षद, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी आवंटन पर उठे सवाल, नगर पालिका के राजस्व को लेकर चर्चा तेज

दलालों की भूमिका पर सवाल, नागरिकों ने पारदर्शिता की मांग उठाई

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। संकुट तालाब एवं चौपाटी ग्राउंड में प्रस्तावित प्रदर्शनी को लेकर नगर में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। प्रदर्शनी स्थल के आवंटन और किराया निर्धारण की प्रक्रिया को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि जगह आवंटन और किराए की दरें नियमों एवं पारदर्शी प्रक्रिया के बजाय कुछ लोगों की सलाह और सौदेबाजी के आधार पर तय की जाएंगी, तो नगर पालिका के राजस्व में वृद्धि कैसे संभव होगी नगर में चर्चा है कि कुछ लोग एक ओर नगर हित और राजस्व बढ़ाने की बात कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदर्शनी संचालकों को कम दरों पर स्थान उपलब्ध कराने की पैरवी भी कर रहे हैं। इस विरोधाभास को लेकर आमजन के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। लोगों का सवाल है कि नगर पालिका का वास्तविक हित अधिकतम राजस्व अर्जित करने में है या फिर कम दरों पर जगह उपलब्ध कराने में स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि पूर्व वर्षों में इसी स्थल से नगर पालिका को अधिक राजस्व प्राप्त हुआ था, तो इस वर्ष कम राशि पर सहमति बनाने की कोशिश क्यों की जा रही है। इस मुद्दे को लेकर व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों के बीच चर्चा लगातार बढ़ रही है नगरवासियों का मानना है कि सार्वजनिक संपत्तियों और स्थलों के उपयोग में पूरी पारदर्शिता बरती जानी चाहिए। प्रदर्शनी जैसे आयोजनों से नगर पालिका को मिलने वाली आय सीधे तौर पर नगर विकास कार्यों में उपयोग होती है, इसलिए किसी भी निर्णय में राजस्व हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

कोठी तहसील के गांवों में हैंडपंप खराब, पीएचई विभाग गहरी नींद में गर्मी में पेयजल संकट से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ीं, मरम्मत की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भीषण गर्मी के बीच कोठी तहसील क्षेत्र के कई गांवों में हैंडपंप खराब पड़े होने से ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद पीएचई विभाग और संबंधित अधिकारियों ने समस्या के निराकरण में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है दग्रामीणों ने बताया कि गांवों में लगे कई हैंडपंप लंबे समय से बंद पड़े हैं। इस वजह से लोगों को पानी के लिए दूर-दराज के जलस्रोतों तक जाना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं बुजुर्गों और बच्चों को हो रही है जो दैनिक जरूरतों के लिए पानी लेने जाते हैं। कई स्थानों पर हैंडपंपों की मरम्मत की आवश्यकता है, लेकिन विभाग की उदासीनता के कारण स्थिति जस की तस बनी हुई है स्थानीय लोगों का कहना है कि पीएचई विभाग को खराब हैंडपंपों की तुरंत मरम्मतऔर नियमित रखरखाव सुनिश्चित करना चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो गर्मी के दिनों में जल संकट और गंभीर हो सकता है गांववासियों ने यह भी कहा कि पीएचई विभाग को शिकायतों पर सक्रिय रूप से कार्रवाई करनी चाहिए। उनका कहना है कि विभाग की उदासीनता के कारण आम लोगों को रोजमर्रा की ज़रूरतों के लिए लंबा सफर करना पड़ रहा है, जो विशेषकर वृद्ध और बच्चों के लिए मुश्किलों को बढ़ा रहा है स्थानीय प्रशासन से ग्रामीणों ने आग्रह किया कि हैंडपंपों की नियमित जांच समय पर मरम्मत और साफ-सफाई का ध्यान रखा जाए। इससे न केवल पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित होगी बल्कि जल borne बीमारियों के जोखिम को भी कम किया जा सकेगा आर. बी. मिश्रा, बगहा, ने बताया कि पीएचई विभाग को ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जल संकट से निपटने की दिशा में तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए इस समय पानी की कमी और खराब हैंडपंपों की समस्या ग्रामीणों के लिए बड़ी चिंता का विषय बन चुकी है।

बजाज ऑफिस के बाहर से अपाची बाइक चोरी, सीसीटीवी फुटेज में पुलिसकर्मी जैसा दिखा व्यक्ति

कोलगवां थाने में मामला दर्ज, फुटेज के आधार पर जांच शुरू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के गहरानाला क्षेत्र में स्थित बजाज ऑफिस के बाहर से एक अपाची मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया ह पीड़ित द्वारा कोलगवां थाना में शिकायत दर्ज कराई गई है जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार 8 जून की सुबह नीले रंग की अपाची मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी-19 एमजेड-2698 बजाज ऑफिस के बाहर खड़ी थी कुछ समय बाद वाहन वहां से गायब हो गया बाइक नहीं मिलने पर वाहन स्वामी ने आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर कोलगवां थाना पहुंचकर प्राथमिकी दर्ज कराई मामले में नया मोड़ तब आया जब घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की गई फुटेज में एक युवक मोटरसाइकिल ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है वहीं उसके पीछे बैठा एक अन्य व्यक्ति भी नजर आ रहा है जिसकी वर्दी और हुलिया पुलिसकर्मी जैसा प्रतीत होने की चर्चा की जा रही है अभी तक यह आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं हुआ है कि फुटेज में दिखाई देने वाला व्यक्ति वास्तव में पुलिस विभाग का कर्मचारी है या नहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जाएगी स्थानीय लोगों के बीच इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं वहीं फरियादी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर मोटरसाइकिल बरामद करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है कोलगवां थाना पुलिस का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है जांच पूरी होने के बाद ही घटना से जुड़े तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

रैगांव विधानसभा में 5 दिवसीय विशेष जनसंवाद अभियान शुरू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के रैगांव विधानसभा क्षेत्र में 11 जून से 15 जून 2026 तक विशेष जनसंवाद कार्यक्रम का व्यापक आयोजन किया जा रहा है नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर जनसमस्याओं का मौके पर निराकरण करेंगी। इस अभियान में जिले के सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे कार्यक्रम स्थलों पर अपने-अपने काउंटर स्थापित करें, नेम प्लेट लगाएं तथा अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित रहें, ताकि आमजन को त्वरित समाधान मिल सके कार्यक्रम की शुरुआत 11 जून को ग्राम डेलौरा से होगी जहां स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण किया जाएगा इसके बाद 12 से 15 जून तक कोरगंवा भरजुना, शिवपुरवा, मोटवा, दिदौंद, बिरहुली और उमरहट सहित विभिन्न ग्रामों में जनसंवाद एवं जनसुनवाई शिविर आयोजित किए जाएंगे प्रत्येक दिन दो सत्रों में कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम के दौरान पंजीयन एवं सहायता डेस्क स्थापित की जाएगी जहां नागरिकों के आवेदन लेकर उन्हें टोकन प्रदान किया जाएगा प्रत्येक विभाग द्वारा अलग-अलग काउंटर लगाए जाएंगे, जिससे लोग सीधे संबंधित अधिकारी तक पहुंच सकें कार्यक्रम स्थलों पर टेंट छाया पेयजल एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए साथ ही सभी विभाग अपने क्षेत्र की योजनाओं स्वीकृत प्रगतिरत एवं पूर्ण कार्यों की विस्तृत जानकारी हार्ड कॉपी में साथ रखें।

रोड सेफ्टी समिति के अध्यक्ष ने मैहर में रोड सेफ्टी व्यवस्थाओं की समीक्षा कर दिए महत्वपूर्ण निर्देश

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। पुलिस अधीक्षक कार्यालय मैहर में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित रोड सेफ्टी समिति के अध्यक्ष अभय मनोहर सप्रे द्वारा बुधवार को सड़क सुरक्षा संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी, पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. चंचल नागर, एसडीएम दिव्या पटेल, आरटीओ, एनएचआई, पीडब्ल्यूडी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे जिले में घटित सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की समीक्षा कर उनके प्रभावी निवारक उपाय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह द्वारा विगत दो वर्षों में हुई सड़क दुर्घटनाओं, चालानी कार्यवाही एवं यातायात जनजागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुत की। समिति के अध्यक्ष अभय मनोहर सप्रे ने सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में मैहर जिले द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा कहा कि छोटे जिलों में मैहर इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने दुर्घटनाओं के कारणों का गहन विश्लेषण कर निवारक उपायों पर विशेष जोर देते हुए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने तथा नियमित समीक्षा के निर्देश दिए। उन्होंने मां शारदा की नगरी मैहर में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने, बिना परमिट एवं बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई करने तथा सभी वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट, वैध ड्राइविंग लाइसेंस एवं बीमा सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

रामपुर बघेलान जनपद पंचायत को मिली नई सीईओ : रश्मि पाण्डेय ने संभाला पदभार, विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले की रामपुर बघेलान जनपद पंचायत को नई मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के रूप में सुश्री रश्मि पाण्डेय मिली हैं। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही जनपद पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा की तथा कार्यों को गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए पदभार संभालने के बाद आयोजित बैठक में सीईओ रश्मि पाण्डेय ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जाएं और कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए बैठक में उन्होंने स्वच्छता अभियान, ग्रामीण पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण, विद्युत सुविधाओं के विस्तार तथा मनरेगा के अंतर्गत संचालित कार्यों की नियमित निगरानी करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना है, इसलिए प्रत्येक योजना के क्रियान्वयन में गंभीरता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए सीईओ ने पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए मैदानी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण तथा आम नागरिकों के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाने की अपेक्षा जताई सुश्री पाण्डेय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों से ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया नई सीईओ के पदभार ग्रहण करने के बाद जनपद पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी उम्मीद व्यक्त की है कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र के विकास कार्यों में तेजी आएगी तथा शासन की योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से आम जनता तक पहुंच सकेगा।

मैहर में प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में चला स्वच्छता अभियान नागरिकों को दिलाई गई स्वच्छता की शपथ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर में स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से बुधवार को स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम मध्यप्रदेश शासन की पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री तथा मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह के नेतृत्व में नगर पालिका मैहर से बड़ा अखाड़ा तक स्वच्छता अभियान संचालित किया गया कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने स्वयं सफाई कार्य में सहभागिता कर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर मैहर के निर्माण के लिए सभी को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। अभियान के दौरान उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई, जिसमें नगर को स्वच्छ बनाए रखने, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने तथा प्लास्टिक उपयोग में कमी लाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, संभागीय संगठन मंत्री विजय दुबे, कमलेश सुहाने, नितिन ताम्रकार, कुलदीप तिवारी, दिलीप पटेल, राजा पाण्डेय, पारस नाथ तिवारी सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सांसद गणेश सिंह ग्राम वसुधा की जन चौपाल में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विशेष जनसम्पर्क अभियान के अंतर्गत सांसद सतना गणेश सिंह बुधवार को विशेष जनसम्पर्क अभियान के अंतर्गत सोहावल विकासखण्ड की ग्राम पंचायत वसुधा में आयोजित चौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए उन्होंने इस दौरान ग्रामीण स्वच्छता अभियान और जल गंगा संवर्धन अभियान के वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया विशेष जनसम्पर्क अभियान के अंतर्गत सांसद गणेश सिंह 11 जून को विधानसभा चित्रकूट के अंतर्गत ग्राम कारीगोही, 13 जून को विधानसभा नागौद के गोबरगव खुर्द, के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के आयोजन के लिए शिक्षा विभाग को निर्देश जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा 21 जून 2026 को आयोजित होने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन एवं व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने हेतु प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों एवं जिला परियोजना समन्वयकों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार इस वर्ष योग दिवस की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग (ल्वहं वित व्दम मंतजी, व्दम भ्मंसजी) निर्धारित की गई है। केंद्र एवं राज्य शासन के निर्देशों के अनुपालन में सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों सहित पीएम विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, डाइट, सीटीई, आईएएसई, बीआरसी एवं जनशिक्षा केंद्रों में योग दिवस का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। निर्देशों में कहा गया है कि 21 जून को आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कराया जाए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समिति, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय समुदाय की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाये। योग दिवस के पूर्व एवं पश्चात योग के महत्व, स्वास्थ्य लाभ एवं स्वस्थ जीवनशैली को लेकर विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके अंतर्गत योग रैली, निबंध, भाषण, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर निर्माण, चित्रकला एवं स्लोगन लेखन जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी इसके साथ ही एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर संगोष्ठी एवं परिचर्चा आयोजित करने तथा प्रमुख सार्वजनिक एवं पर्यटन स्थलों पर आयोजित कार्यक्रमों में शिक्षा विभाग की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।